सबसे तेज प्रयागराज

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | शनिवार, 28 दिसंबर 2024 | वर्ष: 02, अंक: 313, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अलविदा: मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा आज

मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा आज, सुबह 9 .30 बजे: पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा

डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव

- 1957 से 1965 तक चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ।
- 1969 से 1971 तक दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर।
- 1976 में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में मानद प्रोफेसर।
- 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर।
- 1985 से 1987 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष।
- 1990 से 1991 तक भारतीय प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार।
- 1991 में नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में वित्त मंत्री।
- 1991 में असम से राज्यसभा सदस्य।
- 1995 दूसरी बार राज्यसभा सदस्य।
- 1996 दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मानद प्रोफेसर।
- 1999 में दक्षिण दिल्ली से लोकसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए ।
- 2001 में तीसरी बार राज्यसभा सदस्य और सदन में विपक्ष के नेता ।
- 2004 में भारत के प्रधानमंत्री बने इसके अतिरिक्त उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक के लिए भी कई महत्वपूर्ण काम किया है।
- 26 दिसंबर 2024 को देहांत।

मनमोहन सिंह के निधन पर कई देशों के नेताओं ने शोक जताया

नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर विश्व के कई देशों के नेताओं ने गहरा शोक जताया है। अमेरिका, कनाडा, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव, अफगानिस्तान सहित पड़ोसी देशों के नेताओं ने सिंह को याद किया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सिंह के निधन पर भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में पूर्व प्रधानमंत्री का नेतृत्व अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का प्रतीक है।

नई दिल्ली

'हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी' कहने वाले देश के दो बार के प्रधानमंत्री पद्मभूषण पुरस्कार प्राप्त डॉ. मनमोहन सिंह का गुरूवार रात्रि 9 बजकर 51 मिनट पर 92 वर्ष की आयु में देहांत हो गया। कम ही लोग जानते हैं कि डॉ. सिंह का नैनीताल जनपद व खासकर यहां हल्द्वानी से बहुत गहरा संबंध था। देश के विभाजन के दौरान उनका परिवार यहां रहा था। इस दुःखद अवसर पर डॉ. सिंह के हल्द्वानी से जुड़ाव की पूरी कहानी। वर्ष 1947 में सिर्फ देश आजाद ही नहीं हुआ था बल्कि नक्शे पर भारत और पाकिस्तान नाम के दो देश भी बने। आजादी की लड़ाई की खूब चर्चा होती है लेकिन विभाजन का दंश जिसने झेला उसके दर्द को समझना उतना आसान नहीं। बंटवारे के बाद जो इधर आए या उधर गए, उन्हें बस एक नाम मिला 'रिफ्यूजी'। इतिहास गवाह है, आजाद भारत में रिफ्यूजी कहे जाने वालों ने विभिन्न क्षेत्रों में कामयाबी के जो झंडे गाड़े वह अतुलनीय है। उन्हीं में से एक नाम है डॉ. मनमोहन सिंह। इस बात पर कोई शक नहीं कि इस देश के सबसे काबिल अर्थशास्त्रियों में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नाम शुमार है। देश की आम जनता हो या भारतीय राजनेता। पार्टी लाइन से हटकर भी डॉ. मनमोहन सिंह की खुले दिल से सभी प्रशंसा करते हैं। संघर्षों से भरे डॉ. सिंह के जीवन की कई रोचक बातें हैं, जिनसे आज भी बहुत लोग अनजान हैं।

'फादर किल्ड, मदर सेफ'

भारत विभाजन से पहले डॉ. मनमोहन सिंह का परिवार पेशावर में रहता था। विभाजन के वक्त डॉ. मनमोहन सिंह की उम्र महज 14 साल थी। पेशावर में उनके पिता एक निजी कंपनी में साधारण से क्लर्क थे। विभाजन के दंगों में डॉ. मनमोहन सिंह के दादाजी की भी हत्या हुई थी।

उस घटना को याद करते हुए डॉ. सिंह ने एक बार कहा था कि हमारे पिताजी को चाचा ने तब चार शब्दों का एक टेलीग्राम किया था। जिसमें लिखा था- "फादर किल्ड, मदर सेफ।"

विभाजन के वक्त मनमोहन हल्द्वानी में थे: आजादी के बाद उन दिनों भारत के विभाजन पर राष्ट्रीय स्तर पर बातचीत चल रही थी।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी मनमोहन के निधन पर शोक जताया। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने शुक्रवार को मनमोहन को श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा है कि, 'मैं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर बहुत दुखी हूं, जो एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर थे। भारत के आर्थिक सुधारों के निमार्ता के रूप में उनके योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है।

@आरबीआई इस बड़ी क्षति पर शोक व्यक्त करने में राष्ट्र के साथ है।' आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। रघुराम राजन ने उन्हें एक प्रतिभाशाली अर्थशास्त्री करार दिया, जिनके पास भारत की संभावनाओं के बारे में दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ-साथ राजनीतिक व्यवहार्यता की अच्छी समझ भी थी। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार रात को 92 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। डॉ. सिंह वित्त मंत्री के अलावा 1982 से लेकर 1985 के बीच आरबीआई के गवर्नर भी रह चुके थे।

मनमोहन सिंह सुधारवादी नेता के रूप में याद किए जाएंगे: पीएम

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और देश की प्रगति एवं विकास में उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिंह को हमेशा एक सुधारवादी नेता के रूप में याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक विशेष वीडियो संदेश में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल और स्वयं के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान हुई बातचीत को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन ने हम सभी के हृदय को गहरी पीड़ा पहुंचाई है।

उनका जाना, एक राष्ट्र के रूप में भी हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति है। विभाजन के उस दौर में बहुत कुछ खोकर भारत आना और यहां जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना, ये सामान्य बात नहीं है।

अभावों और संघर्षों से ऊपर उठकर कैसे ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है, उनके जीवन से ये सीख भावी पीढ़ी को मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में और रिफॉर्म्स के प्रति समर्पित लीडर के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में अनेक सेवाएं दीं। एक चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर की भूमिका निभाई। पीवी नरसिम्हा राव की सरकार के वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने वित्तीय संकट से घिरे देश को एक नई अर्थव्यवस्था के मार्ग पर प्रशस्त किया। प्रधानमंत्री के रूप में देश के विकास में और प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो कमिटमेंट था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. सिंह का जीवन, उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब था, वो विलक्षण सांसद थे। उनकी विनम्रता, सौम्यता और उनकी बौद्धिकता उनके संसदीय जीवन की पहचान बनी। मुझे याद है कि इस साल की शुरूआत में जब राज्यसभा में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ, तब मैंने कहा था कि सांसद के रूप में डॉ. साहब की निष्ठा सभी के लिए एक प्रेरणा है। सत्र के समय अहम मौकों पर वो व्हील चेयर पर बैठकर आते थे, अपना संसदीय दायित्व निभाते थे। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रतिष्ठित संस्थाओं की शिक्षा लेने और सरकार के अनेक शीर्ष पदों पर रहने के बाद भी वो अपनी सामान्य पृष्ठभूमि के मूल्यों को कभी भी नहीं भूले। दलगद राजनीति से ऊपर उठकर उन्होंने हमेशा हर दल के व्यक्ति से संपर्क रखा, सबके लिए सहज उपलब्ध रहे।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

पुलिस सैलरी पैकेज के अन्तर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रदत्त 15-15 लाख रुपये का चेक एसपी द्वारा मृतक पुलिसकर्मियों के आश्रितों को प्रदान किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। शुक्रवार को बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा पुलिसकर्मियों के स्वाभाविक मृत्यु पर प्रदत्त 15-15 लाख रुपये का चेक पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा मृतक उ0नि0 स्व0 राजपाल यादव (मृत्यु दिनांक 5.04.2024), 2. उ0नि0(लिपिक) स्व0 वीरेन्द्र कुमार मिश्रा (मृत्यु दिनांक 17.07.2024), 3. आरक्षी स्व0 विनोद कुमार यादव (मृत्यु दिनांक 27.09.2024) को उनके आश्रितों को प्रदान किया गया। मौके पर क्षेत्रीय प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा श्रीमती निधि कुमारी व मुख्य प्रबन्धक विनय अग्रवाल व अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

महिलाओं/बालिकाओं से वार्ता कर ऑडियो/वीडियो/पंपलेट के माध्यम से विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों एवं महिला केन्द्रित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के निकट पर्यवेक्षण में आयोजित ह्लमिशन शक्तिह्व पंचम चरण व ऑपरेशन जागृति के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) व पुरूष पुलिसकर्मियों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076ह्लमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा,1930- साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया । इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख चौराहो, पार्को एवं भीड-भाड वाले स्थानो के आस-पास चेकिंग कर मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत अभियान चलाया गया ।

पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल भरवाकर बिना भुगतान कर भाग जाने वाले 4 गिरफ्तार, स्कार्पियो, तमंचा व नकदी बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी । दिनांक 07.12.2024 को थाना सतरिख क्षेत्रान्तर्गत भिटौली स्थित कपसेटिया पेट्रोल पम्प से 28270/-रुपये का डीजल, दिनांक 10.12.2024 को थाना देवा के बापू किसान सेवा पेट्रोल पम्प, मैनाहार से 35,000/-रुपये का पेट्रोल, दिनांक 23.12.2024 को रामनगर क्षेत्र के सुढियामऊ स्थित आरडी पेट्रोल पम्प से 30,000/-रु0 का डीजल, भरवाकर धोखा देकर बिना भुगतान कर भाग जाने वाले 4 अभियुक्तों अनुराग वर्मा पुत्र अवनीश वर्मा निवासी शिवपुरम कालोनी डिप्टीगंज थाना सुशांत गोल्फ सिटी जनपद लखनऊ . शिवा पाण्डे पुत्र राकेश पाण्डे निवासी पाम रेजिडेन्सी थाना गोसाईगंज जनपद लखनऊ 3. अनुज पाल पुत्र बेनीराम पाल निवासी हरिहरपुर रामसेवक पुरम थाना सुशांत गोल्फ सिटी जनपद लखनऊ 4. शिवम गौतम पुत्र राजेंद्र प्रसाद निवासी विरूरा थाना पीजीआई जनपद लखनऊ* को आज दिनांक 27.12.2024 को उमरी जंगल से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे/निशांदेही पर 01 अदद ड्रम, 01 अदद गैलेन, 03 अदद अवैध तमंचा व 03 अदद कारतूस .315 बोर, 01 अदद स्कार्पियो यूपी 32 जीयू 9532 व 10,000/- नकद बरामद किया गया। अभियुक्तगण 1. शिवा पाण्डे 2. अनुज पाल 3. शिवम गौतम के कब्जे से बरामद अवैध तमंचा के आधार पर मु0अ0सं0 895/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। पूछताछ एवं जांच से ज्ञात हुआ कि गिरफ्तार अभियुक्तगण अपने 03 अन्य साथियों अमन सिंह उर्फ कार्तिक ठाकुर पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी निलमथा डिप्टीगंज थाना सुशांत गोल्फ सिटी जपनद लखनऊ, करन सिंह पुत्र दिनेश सिंह निवासी आम्रपाली बिहार रायबरेली रोड बी0आर0ए0 यूनिवर्सिटी जनपद लखनऊ, राहुल कश्यप निवासी डिफेंस कालोनी तेलीबाग जनपद लखनऊ के साथ मिलकर जनपद बाराबंकी व आस-पास के जनपदों के पेट्रोल पम्प से चार पहिया वाहन में पीछे रखे ड्रम/गैलने में डीजल/पेट्रोल भरवाने के पश्चात भुगतान करने हेतु क्यूआर कोड स्कैन करते हैं तथा इसी बीच पेट्रोल कर्मियों को बातों में फंसाकर धोखा देकर मौके से बिना भुगतान किए भाग जाते हैं। अभियुक्तगण उक्त डीजल/पेट्रोल को चलते-फिरते वाहन चालकों को सस्ते दामों पर बेंच देते हैं। अभियुक्तगण के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। 02 अन्य अभियुक्तगण अमन सिंह उर्फ कार्तिक ठाकुर, करन सिंह देर रात को थाना गोमती नगर जपनद लखनऊ से लूट के अभियोग में जिला कारागार लखनऊ में निरुद्ध हैं। अन्य अभियुक्त राहुल कश्यप की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया है।

असोथर पुलिस ने ओवरलोड दो ट्रकों पर की कार्रवाई

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। थाना असोथर पुलिस व खनन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा शुक्रवार को गिट्टी/मोरंग/बालू के अवैध खनन, अवैध भंडारण, अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाये गये संयुक्त अभियान के क्रम में कुल 02 वाहनों का चालान किया गया । उक्त कार्यवाही से 2,43,000/- रुपये का राजस्व वसूल किया गया ।

पुलिस महानिदेशक कमाण्डेंट जनरल होमगार्ड्स ने की समीक्षा बैठक

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयाग में जनवरी से लगने वाला महाकुम्भ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक एवं आध्यात्मिक जन समागम का पर्व है। यूनेस्को ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी है। जिसे सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए कुल १४,१०० होमगार्ड्स की स्वीकृति उप्र शासन, होमगार्ड्स मुख्यालय द्वारा की गयी है।

शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक, कमाण्डेंट जनरल होमगार्ड्स उप्र विजय कुमार मौर्य ने मेला क्षेत्र के सेक्टर दो में बने होमगार्ड्स कार्यालय का शुभारम्भ पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन कर किया। तत्पश्चात उन्होंने सम्पूर्ण कार्यालय का निरीक्षण किया। पुलिस महानिदेशक, कमाण्डेंट जनरल ने कुम्भ मेला को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए नामित वैतनिक कार्मिकों की बैठक कार्यालय सभागार में की। बैठक में उन्होंने इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को सम्पादित करने के लिए दिशा निर्देश भी दिये। इसके साथ ही उन्होंने जल पुलिस में तैनात कार्मिकों को भी महाकुम्भ मेला को पूरी सहजता, उत्साह, लगन, ईमानदारी, अनुशासन में रह कर सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिये। अमित कुमार पाण्डेय, मेलाधिकारी, कुम्भ होमगार्ड्स प्रयागराज ने बताया कि समीक्षा बैठक में पुलिस महानिदेशक ने इस पावन पर्व को मुख्यमंत्री, उप्र शासन के विजन अनुसार भव्य, दिव्य, स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित महाकुम्भ को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए सभी कार्मिकों का उत्साहवर्धन भी किया।

महाकुंभ में सनातन धर्मावलंबियों को जगा रहे महंत बजरंग मुनि

मेला क्षेत्र पांच दर्जन होर्डिंग्स से कर रहे लोगों को जागरूक

कहा कि आक्रांताओं से सनातनियों की करनी है रक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज के संगम की रेती पर लग रहे महाकुंभ में देश, विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों को सनातन धर्म के प्रति जागरूक कर रहे हैं। सीतापुर के खैराबाद की बड़ी संगत के युवा महंत बजरंग मुनि उदासीन है। उन्होंने महाकुंभ मेला क्षेत्र में विद्युत पोल और मुख्य प्रवेश द्वार पर पांच दर्जन से अधिक होर्डिंग्स लगाए रखी है जिसपर लिखा है कि हिन्दू समाज संकटों के घेरे में, धर्म रक्षा के लिए अपने बलिदानी पूर्वजों की भांति सभी सनातन धर्मी लड़ेंगे तो जीतेंगे। इस होर्डिंग्स की चर्चा पूरे मेला क्षेत्र में है। महंत बजरंग मुनि उदासीन का कहना है कि जिस तरह से आक्रान्ताओ ने देश और सनातन धर्म को
बहुत अधिक क्षति पहुंचाई थी उसी तरह से यह आक्रांत आज भी देश के भीतर और बाहर है उनसे बचने के लिए हमें और आपको जागरूक होकर आगे आना होगा तभी हम, आप और सनातन धर्म बचेगा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में सनातनधर्मी तीर्थराज प्रयागराज के महाकुंभ में पहुंचे और सनातन धर्म की रक्षा का संकल्प लें। महंत बजरंग उदासीन ने कहा कि सीतापुर में सनातन धर्म की रक्षा के लिए मुस्लिमों ने नौ बार मुझे पर जानलेवा हमला किया था लेकिन उसको पछाड़ कर दम लिया हूं।

मंझनपुर में इंटर के छात्र की सड़क हादसे में मौत

वाहन छोड़कर फरार हुआ चालक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली के कस्बा निवासी छात्र शुक्रवार सुबह दुर्गा मंदिर से दर्शन कर लौट रहा था जैसे ही बाइक सवार इंटरमीडिएट का छात्र महामाया छात्रावास के समीप पहुचा तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल छात्र को जब तक अस्पताल ले जाया गया, उसकी मौत हो गई।घटना से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है। उधर हादसे के बाद चालक डीसीएम को छोड़कर फरार हो गया।

मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के मंझनपुर चौराहा निवासी वैभव त्रिपाठी उम्र 18 वर्ष पुत्र दिनेश त्रिपाठी इंटरमीडिएट का छात्र था। शुक्रवार की सुबह वह बाइक से दर्शन करने कस्बा स्थित दुर्गा मंदिर गया था। लौटते समय महामाया छात्रावास के समीप सामने से आई तेज रफ्तार डीसीएम ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही छात्र सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गया। दुर्घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुँचे इस बीच परिवार के लोग भी पहुंच गए। आनन फानन में निजी वाहन से घायल छात्र को भरवारी के निजी अस्पाताल ले गए। अस्पताल पहुंचते ही उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने जांच कर मौत की पुष्टि की। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है पुलिस ने छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गमगीन माहौल में शाम को छात्र का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। मंझनपुर इंस्पेक्टर संजय तिवारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर डीसीएम गाड़ी को कब्जे में ले लिया गया है।और चालक की तलाश की जा रही है।

अवैध रूप से पार्किंग को रोकने के लिए नो पार्किंग तथा ओवर स्पीड के साइन बोर्ड लगाए गए

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी यातायात के कुशल पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटना को कम किए जाने के लिए तथा कुंभ मेले के लिए सुरक्षात्मक दृष्टि को देखते हुए यातायात प्रभारी लालजी सविता एवं यातायात पुलिस द्वारा हाईवे पर नउवाबाग से भिटौरा बाईपास तक अवैध रूप से पार्किंग को रोकने के लिए नो पार्किंग तथा ओवर स्पीड के साइन बोर्ड लगाए गए ।

किसानों की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

सोरांव। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रयागराज मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे के नेतृत्व में किसानो की समस्याओं को लेकर सोरांव तहसील सभागार में बैठक की गई बैठक में उप जिला अधिकारी की अनुपस्थिति में उनके स्टोनों ने कि कई एक गंभीर समस्याओं में जिला अधिकारी प्रयागराज के द्वारा कार्यवाही कर दी गई । जिसके उपरांत थाना प्रभारी निरीक्षक थाना सोरांव बृजेश तिवारी के साथ बैठक हुई थाना प्रभारी द्वारा किसानों की कई सही समस्या का समाधान किया गया। जिसपर किसानों ने खुशी व्यक्त की एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई प्रभारी निरीक्षक थाना सोरांव व अन्य पुलिस कर्मियों को भी मिठाई खिलाई पुलिस प्रशासन एवं डी सी पी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ए सी पी सोरांव जंग बहादुर यादव इंस्पेक्टर सोरांव बृजेश तिवारी का जिंदाबाद जिंदाबाद कहते हुए किसान अपने अपने घर गए इस अवसर पर जगदीश तिवारी मंडल महासचिव डॉ रामराज पटेल मंडल सलाहकार,भरत लाल पटेल गंगा पार अध्यक्ष,शिव मिलन गौतम जिला उपाध्यक्ष सोना सिंह युवा अध्यक्ष गंगा पार विजय कुमार पटेल युवा गंगा पार अध्यक्ष हरिश्चंद्र तहसील अध्यक्ष युवा कुईया यादव,जीतलाल यादव एवं कई अन्य लोग मौजूद रहे।

दो वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार, जेल

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर थाना संदीपन घाट व पिपरी पुलिस ने वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर दो वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना संदीपनघाट के चौकी प्रभारी शिव शंकर पाण्डेय मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त किशन लाल पासी पुत्र रामनिवास पासी नि० सोखदा लोहरा थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

थाना पिपरी पुलिस उ०नि० अजीत सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त मुन्नू पुत्र बुदुल पासी नि० कस्बा चायल थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया।

दो थानों की पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। एसपी के निर्देश पर जनपद कुशीनगर में वांछित/वारंटी अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना सेवरही पुलिस द्वारा से पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त अनवर पुत्र मुलजिम निवासी दवनहा थाना सेवरही जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। थाना विशुनपुरा पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त दीपू गोड पुत्र मोहन गोड सा0 कोकिल पट्टी थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आर्यावर्त सनातन महासभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव सम्पन्न।

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। आर्यावर्त सनातन महासभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार पान्डेय का कार्यकाल 24 दिसंबर 2024 को समाप्त होने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा अपना त्यागपत्र संस्थापक सदस्यों के पास भेजा गया संस्थापक सदस्यों के द्वारा त्यागपत्र स्वीकार किया गया और नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए सभी सदस्यों के द्वारा चुनाव प्रक्रिया संपन्न की गई ।

जिसमें सर्वसम्मति से हनुमान प्रसाद मिश्रा को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। चुनाव अधिकारी के समक्ष सभी सदस्यों द्वारा मतदान प्रक्रिया संपन्न कराया गया।

मतगणना के पश्चात चुनाव अधिकारी द्वारा राकेश कुमार पांडे जी को निर्वाचित घोषित किया गया ।राकेश कुमार पांडे तीसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुए।मतदान में अनुराग पान्डेय सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे। चुनाव परिणाम घोषित होने पर सभी सदस्यों द्वारा नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार पान्डेय का माल्यार्पण कर स्वागत किया ।

निर्वाचित होने के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार पान्डेय ने सभी संस्थापक सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया और संगठन को नित नई ऊंचाइयों पहुंचाने का संकल्प लिया।

सफदरगंज पुलिस द्वारा 3 वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी।

पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर सफदरगंज पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में वांछित तीन आरोपी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया।

थाना सफदरगंज पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तगण मो0 मुकीम उर्फ बुद्धु पुत्र खलील, संतोष कुमार पुत्र जगन्नाथ प्रसाद निवासीगण ग्राम चन्दवारा थाना सफदरगंज बाराबंकी, सन्त बक्श सिंह पुत्र सूर्य बक्श सिंह निवासी वेनीगंज बहादुरपुर कुर्सी रोड विकास नगर जनपद लखनऊ को गिरफ्तार किया गया।

मो0पुर खाला पुलिस ने 4 जुआरियों को किया गिरफ्तार

बाराबंकी । थाना मो0पुर खाला पुलिस टीम द्वारा देर रात को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे 4 अभियुक्त अरूण कुमार पुत्र लक्ष्मीनरायण, हीरालाल पुत्र प्रेमचन्द्र निवासीगण ग्राम मौसण्डा मजरे सूरतगंज थाना मो0पुर खाला जनपद बाराबंकी, कमलेश पुत्र श्यामलाल निवासी ग्राम कुरिलवा थाना मो0पुर खाला जनपद बाराबंकी, 4. शिवम शर्मा पुत्र पवन कुमार निवासी ग्राम चन्द्रसिहाली थाना मो0पुर खाला जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से ताश के 52 पत्ते व मालफड़/जामातलाशी के कुल 530/- रुपए बरामद किया।

संदीपन घाट पुलिस ने महिला समेत तीन ठग, गिरफ्तार,पीली व सफेद धातु बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। अपने परिवार की रोजी-रोटी चलाने के लिए रोल्ड गोल्ड के जेवर बेचने के लिए कानपुर के बीरबल उर्फ मोहन शर्मा अपने बेटे राजू सिंह वा लक्ष्मी बंजारा के साथ कौशांबी की धरती पर आए और संदीपन घाट थाना क्षेत्र के काजीपुर में अपना डेरा जमाया और इस क्षेत्र की बाजार में वह रोल्ड गोल्ड के जेवर बेच रहे थे जिनके कब्जे में ढाई किलो लगभग पीली धातु का रोल्ड गोल्ड का जेवर मिला है और लगभग 2 किलो सफेद रोल्ड गोल्ड का जेवर मिला है। 24 हजार रुपए नगद भी उनके पास से पुलिस को मिला है। एसओजी प्रभारी और संदीपन घाट थाना प्रभारी ने बीरबल उसके बेटे राजू सिंह और लक्ष्मी बंजारा तीनों लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास मौजूद रोल्ड गोल्ड के जेवर लगभग साढ़े चार किलो वजन को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और लिखा पढ़ी करने के बाद तीनों को जेल भेज दिया है। गिरफ्तारी वा धातु बरामद करने वाली पुलिस का कहना है कि यह सब पीली और सफेद धातु है और सोने चांदी के असली जेवर दिखाकर यह लोग नकली जेवर बेचते थे।

शुरू हुआ ऑपरेशन इण्टरगेट एवं ऑपरेशन चक्रव्यूह

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ २०२५ को सकुशल एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस आयुक्त प्रयागराज तरुण गाबा के निर्देश पर ऑपरेशन इण्टरगेट एवं ऑपरेशन चक्रव्यूह शुरू किया गया। अभियान के तहत महाकुंभ नगर एवं प्रयागराज के निकाश द्वार एवं प्रवेश करने वाले संदिग्धों की गहन तलाशी ली गई। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारती ने दी। ह्लउन्होंने बताया कि यह एक गोपनीय अभियान शुरू किया गया है। महाकुंभ की सुरक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कड़ा निर्देश है। जिसके मद्देनजर पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को सुबह एवं शाम को जनपद के प्रवेश एवं निकास मार्ग पर संदिग्धों की गहन चेकिंग की गई। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत,पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चंद्र यादव के नेतृत्व में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। संदिग्धों से पूछताछ की गई और उनके वाहनों के कागजात चेक करने के साथ अन्य संदिग्ध सामानों की भी चेकिंग की गई।

महाकुंभ : खाद्य सुरक्षा के लिए स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की ट्रेनिंग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर प्रयागराज प्रशासन ने नगर की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कार्य किया है। अगले महीने होने वाले महाकुंभ से ठीक पहले नगर के 2100 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया गया।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सभागार में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए आयोजित एक दिवसीय फॉस्टैक प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्तिगत स्वच्छता, खाद्य प्रबंधन, खाना पकाने के तरीके और अपशिष्ट प्रबंधन समेत कई आवश्यक विषयों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के बारे में भी जानकारी दी गयी। इसके तहत विशेष रूप से खाद्य व्यवसायों के लाइसेंस और पंजीकरण के संबंध में अनुसूची 4 में निर्धारित दिशा निदेर्शों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की जानकारी और तौर-तरीकों को बेहतर बनाना तथा बेहतर खाद्य सुरक्षा मानकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण के दौरान स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को हाईजीन किट्स भी बांटा गया, जिनमें एप्रॉन, ग्लब्स, हेड-गियर तथा स्ट्रीट फूड वेंडर्स मैनुअल शामिल है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी व विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह के साथ-साथ एफएसएसएआई के संयुक्त निदेशक अंकेश्वर मिश्रा समेत प्राधिकारण के दूसरे अधिकारी तथा राज्य खाद्य सुरक्षा विभाग से सुशील कुमार सिंह-अभिहित अधिकारी व अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में एफएसएसएआई के ट्रेनिंग पार्टनर जनपहल ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को इकट्ठा करने तथा कार्यक्रम के समन्वय में अहम भूमिका निभाई।

भारत अपने स्ट्रीट फूड की वजह से दुनिया भर में लोकप्रिय है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षित करना एक महत्वपूर्ण कदम है। इस संदर्भ में एफएसएसएआई ने तीन वर्षों (2023 से 2026 तक) में 25 लाख स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा रखा है। इसी क्रम में देश के हर बड़े शहर में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

फूलपुर में भजन संध्या का आयोजन आज

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर कस्बे के इस्माइलगंज मोहल्ला स्थित हनुमान मंदिर पर भाजपा फूलपुर मंडल द्वारा शनिवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें प्रसिद्ध गायकों द्वारा भजन संध्या में भक्ति गीतों से रसपान कराया जाएगा उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के नव निर्वाचित भाजपा विधायक दीपक पटेल होंगे जिनका कार्यकर्ताओं द्वारा प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत समारोह भी किया जाएगा उक्त जानकारी भाजपा फूलपुर के यशस्वी मंडल अध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता ने देते हुए बताया कि अधिक से अधिक भाजपा कार्यकर्ता एवं भक्त गण उक्त कार्यक्रम में भाग लेंगे।

फूलपुर में संविधान विधिक जागरूकता कार्यक्रम आज

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर तहसील सभागार में संविधान विधिक जागरूकता कार्यक्रम शनिवार को दोपहर 12 बजे से आयोजित किया गया है जिसमें संविधान में मौलिक अधिकारों पर विस्तार पूर्वक विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा चर्चा की जाएगी उक्त कार्यक्रम के लिए जोर शोर से तैयारियां की गई है उक्त जानकारी देते हुए विधिक जागरूकता मंच के संयोजक एडवोकेट वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव ने सभी से उक्त कार्यक्रम में समय से पहुंचने की अपील की है।

फूलपुर के विद्युत ओ टी एस कैंपों में 11 लाख रुपए का राजस्व जमा

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। प्रदेश सरकार द्वारा बिजली बिल बकाए दारो को विद्युत बिलों में ब्याज मुक्त योजना ओ टी एस के तहत गांवो में लगाए जा रहे विद्युत कैंपों सहित उपखंड कार्यालय में जमा हो रहे बिजली बिलों में बड़े पैमाने पर राजस्व जमा हो रहा है। विद्युत उपखंड कार्यालय फूलपुर के उपखंड अधिकारी अमन सिंह एवं जेई अशोक कुमार के अनुसार शुक्रवार

को विद्युत ओ टी एस कैंप फूलपुर क्षेत्र के सांवडीह गांव के पंचायत भवन पर विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसमे लगभग 45 उपभोक्ताओं ने अपना बिजली का बिल जमा किया जिसमें 450,000 रुपए जमा हुए कुछ उपभोक्ताओं के बिलों में गड़बड़ी शिकायत थी जिसे संशोधित करके जमा कराया गया वही कुछ उपभोक्ताओं ने बिजली बिल जमा करने में सहयोग न करने पर लगभग 18 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटते हुए उन्हें चेतावनी दी गई कि यदि जल्द ही विद्युत बकाया बिलों का भुगतान नहीं किया गया तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जिसमें प्रधानपति पंधारी लाल भारतीय सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। इसी प्रकार क्षेत्र के जोगिया शेषपुर गांव में विद्युत ओ टी एस कैंप का आयोजन किया गया जिसमे कुल लगभग 1,50,000 रुपए राजस्व जमा हुए जिसमे प्रधानपति प्रदेश उपाध्यक्ष प्रधानसंघ जगदीश गुप्ता मौजूद रहे इसके अतिरिक्त अधिकांश बिजली बिल बकाएदारों ने सीधे उपखंड कार्यालय फूलपुर के काउंटरों पर पहुंच कर ओ टी एस का लाभ उठाते हुए अपने बिजली बिलों का भुगतान किया जिसमें शुक्रवार को फूलपुर उपखंड कार्यालय सहित गांवो में लगे विद्युत कैंपों में लगभग 11 लाख रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई उपखंड अधिकारी विद्युत फूलपुर अमन सिंह एवं जेई अशोक कुमार और जेई विजय कुमार ने बताया कि यदि समय रहते बिजली बिलों के बकाए को उपभोक्ता ओ टी एस का लाभ लेकर समय से बिजली का बिल नहीं जमा करते है तो ऐसे उपभोक्ताओं के लिए विशेष अभियान चलाकर उनके विद्युत कनेक्शनों को काटते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

डीएम के निर्देशन में हो रहें कार्यों से खुश होकर ग्राम प्रधान ने की जिलाधिकारी की भूरि-भूरि प्रशंसा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के निर्देशन में जनपद की ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल/अभियान के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे- पल्स पोलियो अभियान, टी0बी0 उन्मूलन कार्यक्रम, फैमिली आई0डी0, फार्मर रजिस्ट्री, गोल्डेन कार्ड, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा/विधवा/विकलांग पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय सर्वेक्षण, स्वयं सहायता समूह एवं पीएम विश्वकर्मा योजना सहित आदि विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाकर जनपदवासियों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिस पर जनपद के ग्राम प्रधानों ने जिलाधिकारी के कार्यों से खुश होकर कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष पहुँचकर जिलाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा जनपद में कराये जा रहें कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। ग्राम प्रधानों द्वारा कहा गया कि आप द्वारा आम-जनमानस की समस्याओं को सुनते हुए उसका त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। आज हम सब लोग अपने आपको गौरन्वित महसूस कर रहें हैं, कि हमें आप जैसे जिलाधिकारी मिलें हैं, यदि आप जैसे अधिकारी इस जिले में रहेंगे तो जनपद का तेजी से विकास होगा। सरकार द्वारा संचालित येजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने एवं पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाये जाने में आपका महत्वपूर्ण योगदान हैं।

जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप लोगों का इसी तरह का सहयोग बना रहेंगा, तो जनपद का जरूर विकास होगा। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को जनपद के सभी पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाया जायेंगा, कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओ से वंचित नहीं होने पायेंगा।

एकाग्रता, रिवीजन, टाइम मैनेजमेंट से बनेगी मेरिट : दिव्यकांत शुक्ल

पूर्व आईपीएस कृपाशंकर सिंह ने बच्चों को दिया रोचक जानकारी

गुरुकुल मांटेसरी स्कूल दिव्य कुंभ, भव्य कुंभ प्रदर्शनी व परीक्षा पे चर्चा संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गुरुकुल मांटेसरी स्कूल शांतिपुरम फाफामऊ प्रयागराज में ह्रदिव्य कुंभ भव्य कुंभ" महाकुंभ पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन आज किया गया । प्रदर्शनी का शुभारंभ यूपी बोर्ड के पूर्व सचिव एवं विद्या भारती के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ला, पूर्व आईपीएस कृपाशंकर सिंह, निदेशक वीरेंद्र सिंह, सह निदेशक रितिज विक्रम सिंह, प्रधानाचार्या श्रीमती अमिता मिश्रा, संस्थपिका प्रधानाचार्या श्रीमती अलका अग्रवाल, डॉ वंदना सिंह तथा सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

मुख्य अतिथि यूपी बोर्ड के पूर्व सचिव और विद्या भारती के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल ने आयोजन की सराहना की। उन्होंने परीक्षा पे चर्चा के अंतर्गत दसवीं और बारहवीं के बोर्ड परीक्षार्थियों को बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। छात्रों ने परीक्षा के दौरान आने वाली समस्याओं और चिंताओं के बारे में उनसे बात की, उन्होंने छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का बहुत ही संवादात्मक और रोचक था। संतोषजनक उत्तर दिया । उन्होंने परीक्षार्थियों को एकाग्रता,रिवीजन, टाइम मैनेजमेंट ठीक करके अच्छा डिवीजन लाने की बात कही।

गुरुकुल मॉन्टेसरी स्कूल में महाकुंभ जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने विभिन्न कटआउट, चार्ट पेपर और बुलेटिन्स का उपयोग करके आयोजन स्थल को सजाया। छात्रों ने चार्ट पेपर, थमोकोल और कटआउट्स के माध्यम से महाकुंभ से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का प्रदर्शन किया जिसमे महाकुंभ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए नियम और निर्देश, किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए सहायता हेतु आवश्यक संपर्क नंबर, पेटी व्यवस्था और सुरक्षा उपाय, महाकुंभ में गुमशुदा व्यक्तियों को ढूंढने और अन्य सुरक्षा संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी, महाकुंभ क्षेत्र को साफ और पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने के लिए स्वच्छता उपायों का प्रचार किया। छात्रों ने पोस्टर्स और चार्ट के माध्यम से महाकुंभ के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं को भी प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में क्वायर ग्रुप ने प्रयागराज महाकुंभ की महिमा को गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया।

चूने और रंग से छात्रों ने रंगोली में दिव्य कुंभ, महाकुंभ, डिजिटल कुंभ का प्रदर्शन किया जिसमें शिवालय पार्क, अरैल घाट, नागवासुकि मंदिर के दशार्या। हिन्दू धर्म में पूजा पाठ में कलश स्थापना का विशेष महत्व है। कलश जिसे सुख समृद्धि का प्रतीक माना जाता है गुरुकुल के प्रांगण में स्थापित किया गया। विद्यालय के फायर एरिया में छात्रों ने महाकुंभ के रचनात्मक प्रारूप को प्रदर्शित किया।

अखाडे के सभी 13 संप्रदाय, गुरुकुल पद्धति में शंकराचार्य के संप्रदाय, द्वादश ज्योतिर्लिंग, नागा साधुओ का शाही स्नान, देश के विभिन्न हिस्से से आए अनेक प्रकार के साधुओं का महाकुंभ संगम, महाकुंभ में आने वाले लोगों को मिलने वाली सुविधाएं, इलाहाबाद किला तथा उसके अंदर स्थित अक्षय वट, सरस्वती कूप, कार्टून पुल, पीपा पुल, बोट्स, भारद्वाज पार्क कल्पवासी कैंप, अरैल घाट, ट्रैफिक कंट्रोल जहां महिला पुलिस थाना तथा पुलिस थाना और फाफामऊ पुल का प्रदर्शन किया।

आस्था व अमृत तत्व प्राप्त करने के महापर्व प्रयागराज महाकुम्भ में त्रिवेणी संगम के

सबसे तेज प्रयागराज

महाकुंभनगर। बाबा श्याम की असीम कृपा से अंतर्राष्ट्रीय सनातन धर्म संस्थान कैम्प द्वारा श्याम परिवार महासंघ (भारत) के तत्वाधान में परम पूज्य गुरू जी श्रद्धेय नंदकिशोर जी शर्मा नंदू जी महाराज श्री धाम वृन्दावन के पावन सानिध्य एवं संरक्षण में एवं महामंडलेश्वर स्वामी विद्या चेतन जी महाराज के शुभ आशीर्वाद से आस्था एवं अमृत प्राप्त करने के महापर्व पर श्याम भक्तों के लिए- श्याम भक्तों द्वारा त्रिवेणी संगम के पावन तट पर प्रयागराज महाकुम्भ में समस्त भारत के श्याम प्रेमियों की श्रद्धा से इस बार भी 11 जनवरी 2025 से 12 फरवरी 2025 (माघ पूर्णिमा शाही स्नान पर्व तक) खाटू धाम नाम से पावन धाम सजाया एवं संवारा जा रहा है।

धाम में संत सेवा, संत भोजन, अन्नु क्षेत्र एवं रूद्री सेवाएँ रहेंगी जिससे प्रेमी जन सुसंस्कारों की फसल उगा सकेंगे। खाटू धाम शिविर में आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था लगभग हर सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर में बाबा श्याम का दरबार नित नए-नए रूप से सजाया जायेगा एवं संकीर्तन होगा जहाँ राष्ट्र के अलग-अलग भजन प्रवाहकों द्वारा रिझाया जायेगा एवं समर्पित, अनुभवी कथा वाचकों द्वारा श्री श्याम कथा, शिव पुराण कथा, राम कथा, भागवत कथा, कथाओं का वाचन किया जायेगा। भक्ति एवं शक्ति के दाता बजरंग बली का सुंदरकाण्ड पाठ का वाचन भी होगा।

श्याम प्रेमियों से निवेदन है प्रयागराज में बस रहे पवित्र पावन खाटू-धाम शिविर में आकर कथा श्रवण, सुन्दर काण्ड एवं भजनों से बहने वाली ज्ञान भक्ति की अविरल रसधारा के डुबकी लगाने से सुअवसर का लाभ लेवें।

यह जानकारी शिविर संयोजक नरेश बेरीवाला अंकित अग्रवाल, दिल्लू मित्तल, मनीष अग्रवाल द्वारा दी गयी जो टीम वर्क के साथ सुन्दर संयोजन कर रहे है।

महाकुंभ के नाम धोखाधड़ी करने वाले चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। साइबर थाने की पुलिस टीम ने शुक्रवार को महाकुंभ में सुविधा एवं टेंट सिटी की बुकिंग के नाम धोखाधड़ी करने वाले चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से तीन लैपटॉप, छह पेनड्राइव, मोबाइल फोन और छह एटीएम कार्ड बरामद हुआ है।

पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारती ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के नालंदा जनपद स्थित गिरियक थाना क्षेत्र के चोरसुआ गांव निवासी पंकज कुमार, वाराणसी जनपद के चौबेपुर थाना क्षेत्र के मुरीदपुर गांव निवासी यश चौबे, छीतमपुर गांव निवासी अंकित कुमार और आजमगढ़ जनपद के बर्दा थाना क्षेत्र स्थित रसड़ा खुर्द ठेकमा गांव निवासी अमन कुमार सहाय है।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में २२ नवम्बर को पुलिस ने साइबर थाने में आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करके जांच कर रही थी। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार तिवारी एवं उनकी टीम ने शुक्रवार गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार इस धोखाधड़ी का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि अब तक गिरोह के सदस्यों ने ३५ लोगों को कुंभमेला में टेंट सिटी में बुकिंग के नाम धोखाधड़ी कर चुके हैं। जांच के दौरान ९ फर्जी वेबसाइट को ट्रेस किया गया है। गिरोह के सदस्यों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जा रहा है।

पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारती ने महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं आमजन से अपील किया है कि कुंभ के नाम फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी की जा रही हैं। अब तक जांच में ९ फर्जी वेबसाइट पकड़ी जा चुकी है। मेला एवं होटल बुकिंग करते समय संबंधित विभाग से जानकारी आधिकारिक वेबसाइट का प्रयोग करें। जांच परख कर पेमेंट करें। उन्होंने बताया कि गुरुवार की शाम चार और साइबर अपराध के मुकदमे दर्ज किए गए हैं। जांच के बाद गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

प्रयागराज में दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार

प्रयागराज। धूमनगंज थाने की पुलिस टीम लूट करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए शुक्रवार को दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने लुटेरों के कब्जे से सत्तर हजार रुपए नगद,५ चेन पीली धातु और दो मोटरसाइकिल, तमंचा एवं कारतूस बरामद किया है। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारती ने दी।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में फाफामऊ थाना क्षेत्र के गद्दोपुर निवासी संतोष रावत पुत्र स्वर्गीय दिनेश रावत के खिलाफ वाराणसी समेत कुल २६ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसका साथी कर्नलगंज थाना क्षेत्र के मम्फोर्डगंज निवासी दीपक भारतीय पुत्र भारत भारतीय मूल रूप से धूमनगंज थाना क्षेत्र के हरवाया मोहल्ले का निवासी है। इसके खिलाफ पांच आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

उन्होंने बताया कि धूमनगंज थाना क्षेत्र के नीम सराय निवासी विनोद कुमार श्रीवास्तव की तहरीर पर १९ नवम्बर को लूट का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देश पर चलाएं जा रहे आपरेशन त्रिनेत्र के तहत यह खुलासा हुआ है। इसी क्रम में पूछताछ के दौरान तीन और लूट की वारदातों का खुलासा हुआ। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जा रहा है।

महाकुंभ मेल-2025 के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन पर आयोजित की गयी मॉक ड्रिल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुम्भ - 2025 के दौरान यात्रियों को सेवा प्रदान करने वाले प्रयागराज मण्डल के प्रमुख स्टेशन प्रयागराज जंक्शन, नैनी, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज पर सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं । महाकुंभ -2025 में श्रद्धालुओं की यात्रा को सुखद और सुरक्षित बनाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के 25 अधिकारियों के साथ 5500 अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों तैनाती रहेगी । महाकुंभ मेला में मुख्य स्नान पर्व - पौष पूर्णिमा (13.01.2025), मकर संक्रांति (14.01.2025), मौनी अमावस्या (29.01.2025), बसंत पंचमी (03.02.2025), माघी पूर्णिमा (12.02.2025) एवं महाशिवरात्रि (26.02.2025) प्रयागराज मण्डल द्वारा विशेष योजना तैयार की गयी है।

इसी क्रम में आज दिनांक 27 दिसम्बर, 2024 को प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर नेशनल डिसास्टर मैनेजमेंट अथारिटी के नेतृत्व में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया । इस मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस, रैपिड एक्शन टीम, क्विक रिस्पांस टीम, वाणिज्य विभाग एवं चिकित्सा टीम ने संयुक्त रूप से भाग लिया। इस मॉक ड्रिल के दौरान अपर मण्डल रेल प्रबंधक/ सामान्य, संजय सिंह; स्टेशन निदेशक, वी के द्विवेदी; उप राजकीय पुलिस अधीक्षक अभिषेक; सहायक सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल, संदीप कुमार उपस्थित थे । इस मॉक ड्रिल में 500 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया ।

प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर आयोजित मॉक ड्रिल में रेलवे सुरक्षा बल एवं वाणिज्य कर्मचारियों के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को यात्री आश्रय संख्या -4 से प्लेटफॉर्म संख्या -2 पर ले जाया गया। इस दौरान प्लेटफॉर्म संख्या -2 यात्रियों में भगदड़ होने का दृष्ट क्रिएट किया गाया जिसमें 10 श्रद्धालु घायल हो जाते हैं। तत्काल वाणिज्य और रेलवे सुरक्षा बल ने कंट्रोल टावर को सूचित किया। कंट्रोल टावर से सूचना मिलते ही सभी टीमें सक्रिय हो गयीं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रिस्पांस टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान प्लेटफार्म पर अपस्थित यात्रियों को घटना स्थल से दूर रखने और नियंत्रित करने के लिए प्लेटफॉर्म संख्या -2 पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा जगह-जगह पर रोका गया और फुट ओवर ब्रिज संख्या -4 से प्लेटफॉर्म संख्या -6 के लिए ग्रीन कॉरीडोर तैयार किया गया । तत्काल घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देकर एम्बुलेंस से अस्पताल भेज दिया । एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस, रैपिड एक्शन टीम, क्विक रिस्पांस टीम, वाणिज्य विभाग एवं चिकित्सा टीम ने मिलकर कार्य किया और मॉक ड्रिल को सफलता पूर्वक अंजाम दिया ।

सुरक्षा टीमों ने रेलवे स्टेशन पर मॉक ड्रिल का किया अभ्यास

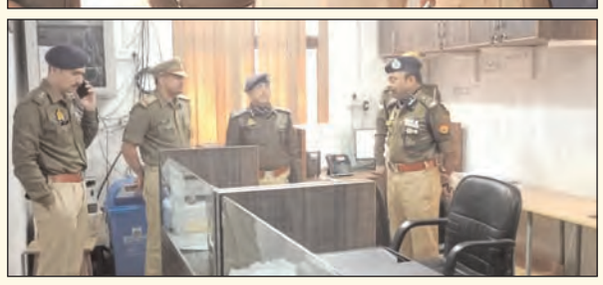

एडीजी रेलवे ने नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

प्रयागराज। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी0 द्वारा जीआरपी अनुभागीय कार्यालय प्रयागराज के नियंत्रण-कक्ष का निरीक्षण किया गया। महाकुम्भ-2025 की तैयारियों के संबंध में समीक्षा की गयी। रेलवे स्टेशन झूंसी स्थित अस्थाई जीआरपी पुलिस लाइन व थाना झूंसी का निरीक्षण किया गया। ड्यूटीरत पुलिस कर्मियों हेतु स्थापित बैरक तथा मेस का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे राहुल राज, पुलिस अधीक्षक रेलवे अभिषेक यादव व अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

एडीजी रेलवे प्रकाश डी ने किया निरीक्षण, दिया निर्देश

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर एनडीआरएफ के नेतृत्व में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में प्लेटफॉर्म संख्या -2 पर यात्रियों में भगदड़ होने का दृश्य क्रिएट किया गया। रिहर्सल के दस श्रद्धालुओ के घायल होने पर तत्काल कंट्रोल टावर को सूचित किया गया। कंट्रोल टावर से सूचना मिलते ही सभी टीमें सक्रिय हो गयीं।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रिस्पांस टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान प्लेटफार्म पर अपस्थित यात्रियों को घटना स्थल से दूर रखने और नियंत्रित करने के लिए जीआरपी/आरपीएफ के सुरक्षा कर्मियों द्वारा जगह-जगह पर रोका गया। तत्काल घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देकर एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस, रैपिड एक्शन टीम, क्विक रिस्पांस टीम, वाणिज्य विभाग एवं चिकित्सा टीम ने मिलकर मॉक ड्रिल को सफलता पूर्वक अंजाम दिया । इस मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जीआरपी, आरपीएफ, रैपिड एक्शन टीम, क्विक रिस्पांस टीम, वाणिज्य विभाग एवं चिकित्सा टीम ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

इस मॉक ड्रिल के दौरान अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्री संजय सिंह; स्टेशन निदेशक वी के द्विवेदी पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज अभिषेक यादव, सहायक सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल संदीप कुमार सहित कई अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

हंडिया पुलिस ने आठ महिलाओं का शांति भांग में किया चालान

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। पुलिस आयुक्त प्रयागराज व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया प्रयागराज के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हण्डिया बृजकिशोर गौतम के निर्देशन में थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को शान्ति/कानून व्यवस्था भंग करने के दृष्टिगत 8 अभियुक्ताओं का अन्तर्गत धारा 170/126/135 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में चालान कर

गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम

प्रभारी निरीक्षक बृजकिशोर गौतम थाना हण्डिया, उपनिरीक्षक प्रशि० राकेश कुमार गौड, उ0नि0 प्रशि० अजीत कुमार साहनी, म0उ0नि0 निशा वर्मा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक/आरक्षियों द्वारा चौराहों/बस स्टैण्ड/टैक्सी स्टैण्ड/जिला अस्पताल/विद्यालय/गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा ग्राम कोशम इनाम मे जाकर, थाना संदीपन घाट पुलिस टीम द्वारा मूरतगंज बाजार मे भ्रमणशील रहकर, थाना मोहब्बतपुर एइंसा पुलिस टीम द्वारा ग्राम फत्तू का पुरवा मे जाकर, थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा कस्बा सिराथू मे भ्रमण कर तथा थाना कडाधाम, महिला थाना, पश्चिम शरीरा, पिपरी एवं थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्र मे भ्रमण कर/चौपाल लगाकर/कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों/छात्राओं/महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी

स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे- *(1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 वाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (3)अभ्युदय योजना (4)मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5)निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

सुबह खाली पेट एक चुटकी खा लें यह बीज, 30 दिन में दिखेगा असर- राज पूछे बिना नहीं रह पाएंगे लोग

कलौंजी बीज में काफी मात्रा में फाइबर होता है। अगर आप रोजाना खाली पेट कलौंजी के बीज पानी से एक चुटकी खा लें तो आपके शरीर को इसके काफी लाभ मिल सकते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको कलौंजी खाने के फायदे पढ़ना चाहिए। ताकि आप अपना दिन शुरू करने से पहले कलौंजी के बीज का सेवन जरूर करें।

कलौंजी के बीज भले ही दिखने में छोटे होते हैं लेकिन इसके फायदे भरपूर हैं। अगर आप कलौंजी के फायदों के बारे में अच्छे से जान जाएंगे तो शायद ही सुबह खाली पेट इसको खाना भूलेंगे। कलौंजी का इस्तेमाल यूं तो सब्जी पकाते हुए होता है।

इसके बीज खाने के जायके को बढ़ाने का काम करते हैं। लेकिन इसके बीज सुबह खाली पेट खाने से शरीर को ऑवरऑल काफी फायदा मिलता है। कलौंजी बीज एक प्राकृतिक औषधि है जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। यहां इस बीज के फायदे हैं।

शुगर को कंट्रोल करने में मदद

कलौंजी बीज में एंटी-डायबेटिक गुण होते हैं जो खून में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में काफी मदद करते हैं। इसके बीज आपकी शुगर को कंट्रोल करते हैं। हालांकि आपको अपने मीठा खाने पर भी साथ में कंट्रोल करना पड़ता है।

दिल को मजबूत करती है कलौंजी

कलौंजी बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है जो दिल को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके बीज का नियमित प्रयोग करने से आपके दिल को कलौंजी कई प्रकार के लाभ पहुंचाती है। इसके साथ ही कलौंजी खून के संचार को बेहतर करने में काफी मदद करती है।

कैंसर को रोकने में मदद

कलौंजी बीज में एंटी-कैंसर गुण होते हैं जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं। कलौंजी के बीज सुबह खाली पेट खाने से यह शरीर पर बहुत प्रभावी तरीके से असर छोड़ते हैं। कैंसर से लड़ने के लिए इसके बीज काफी उपयोगी साबित होते हैं। आयुर्वेद दवाओं में कलौंजी का विशेष तौर से इस्तेमाल होता है।

पाचन तंत्र को बनाती है बेहतर

कलौंजी के बीज में फाइबर भी होता है जो आपके पाचन तंत्र को बेहद मजबूत बनाने में मदद करता है। जिन लोगों को कब्ज और गैस की समस्या रहती है उनके लिए कलौंजी एक बेहतर विकल्प है। सुबह उठें तो आप खाली पेट कलौंजी का सेवन कर सकते हैं। इसका असर 30 दिन में ही आपको दिखने लगेगा।

स्किन और बालों के लिए उपयोगी

कलौंजी बीज में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं। अगर आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं तो आप कलौंजी तेल का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसका तेल बालों की जड़ों को मजबूत करता है साथ ही बालों के पतलेपन को भी दूर करता है।

मेंटल हेल्थ को बेहतर करने में कारगर

कलौंजी बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही कलौंजी बीज में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। आप इसे अपने आहार में शामिल करें, जैसे कि सलाद, सूप, या अन्य व्यंजनों में।

बेलगांव गांधी और कांग्रेस

कर्नाटक का बेलगांव नगर वैसे तो हाल के दशकों में महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच जोर-आजमाइश का केंद्र बना हुआ है, लेकिन यहां देश की कुछ ऐसी अहम घटनाएं घटी हैं, जिसने राजनीतिक और सामाजिक धारा को बदलने का काम किया। इनमें सबसे प्रमुख घटना थी 26 दिसंबर 1924 को महात्मा गांधी का कांग्रेस अध्यक्ष बनना। बेलगांव का 39वां कांग्रेस अधिवेशन आजादी के आंदोलन के इतिहास में ही नहीं भारत के राजनीतिक इतिहास में मील का पत्थर बना था।

हालांकि गांधीजी केवल एक साल ही कांग्रेस अध्यक्ष रहे लेकिन 1920 के बाद से अपने निधन तक कांग्रेस के सबसे प्रमुख नीति निर्धारक बने रहे। कांग्रेस अध्यक्ष के अपने सीमित काल खंड में भी उन्होंने इतनी लंबी लकीर खींची थी कि वहां तक पहुंच पाना किसी भी दल के अध्यक्ष के लिए अब तक संभव नहीं रहा। एक साल पूरा होते ही उन्होंने अपना उत्तराधिकार कानपुर में सरोजिनी नायडु को सौंप दिया जो कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाली प्रथम भारतीय महिला थी। गांधीजी से पहले काकीनाडा अधिवेशन की अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद अली ने की थी।जब गांधीजी कांग्रेस अध्यक्ष बने थे तो बेलगांव 36 हजार की आबादी का कस्बा था, आज बड़ा नगर है, जहां विधान सभा तक है। इसका नाम भी अब बेलगावी है। यहां 26 और 27 दिसंबर को देश भर के प्रमुख कांग्रेस नेता जुट रहे हैं। कर्नाटक की राजधानी बंगलूर से 500 किमी दूर बेलगांव गोवा का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है।कर्नाटक की धरती पर बेलगांव का अधिवेशन पहला था, जिसके लिए तैयारियां मार्च 1924 से ही आरंभ हो गयी थीं। सितंबर 1924 में 16 उप समितियां बनी। 80 एकड़ भूमि को ठीक करके अधिवेशन हुआ था। प्रतिनिधियों का आगमन 18 दिसंबर, 1924 से शुरु हो गया था। खुद गांधीजी 20 दिसंबर, 1924 को पहुंच गए थे और 1924 के अंत तक रहे।बेलगांव में गांधीजी ने कांग्रेस के आभिजात्य रूप-रंग को बदल कर संविधान को नया रूप दिया। गांव, गरीब और किसानों और मजदूरों के लिए कांग्रेस के दरवाजे खोले। कांग्रेस संगठन को रचनात्मक कामों से जोड़ा। छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ मुहिम को कांग्रेस के राजनीतिक एजेंडे में शामिल किया। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी और भारतीय भाषाओं को इसी अधिवेशन से अधिक तवज्जो मिली। खुद गांधीजी ने यहां भाषण हिंदी में दिया था। सम्मेलन में कई भाषण हिंदी, अंग्रेजी, मराठी और कन्नड़ में हुए। हिंदी में भाषण देते हुए गांधीजी ने कहा था कि %..मैं जब से हिंदुस्तान आया हूं, तब से कहे जा रहा हूं कि कम से कम कांग्रेस में, स्वराज्य के विषय में हिंदी में बात करें। लेकिन हमारी शिक्षा में ऐसा दोष है, ऐसा आलस्य आया है कि जितना प्रयत्न इसके लिए करना चाहिए था, हमने नहीं किया।सौ साल पहले जब बेलगांव की धरती पर 26 और 27 दिसंबर 1924 को विजयनगरम मंडप में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस महाधिवेशन हुआ तो उस दौरान पहली बार ये नगर देश की निगाह में आया था। उस दौरान केवल कांग्रेस ही नहीं देश भर के 27 दलों और संगठनों ने कांग्रेस के पंडाल में ही अपना सालाना जलसा किया था। ये आमंत्रण गांधीजी ने उस दौरान स्वराज के मुद्दे पर आपस में एकता के तहत दिया था।गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद कर्नाटक को लंबे समय तक गांधीजी का प्रांत कहा जाता था। इस अधिवेशन के बारे में लोगों को अधिक जानकारी नही है। 26 दिसंबर 1924 को महान संगीतज्ञ विष्णु दिगम्बर पलुसकर ने वंदेमातरम के गायन से अधिवेशन का आरंभ किया था और बालिका गंगूबाई हंगल ने भी पहली बार यहीं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाई थी।बेलगांव कांग्रेस में ही यह तय हुआ कि कौसिलों में स्वराज पार्टी के सदस्य कांग्रेस के सदस्य की हैसियत से उसके विचारों के अनुरूप काम करेंगे। उस दौरान कांग्रेस महासचिव के रूप में शुएब कुरैशी, बरजोरजी फ्रामजी भरूचा और जवाहर लाल नेहरू का चयन करने के साथ रेवा शंकर जावेरी तथा सेठ जमनालाल बजाज को कोषाध्यक्ष चुना गया।

कांग्रेस की कार्यसमिति में देशबंधु चित्तरंजन दास, मोतीलाल नेहरू, सरोजिनी नायडु, एनसी केलकर, मौलाना मुहम्मद अली, अबुल कलाम आजाद, सरदार मंगल सिंह, एमएस अणे और श्रीवरराजूलू नायडु जैसे नेता बेलगांव में सदस्य बने थे।उस दौरान बेलगांव में गांधीजी के साथ मंच पर इन नेताओं के साथ लाला लाजपत राय, पंडित मदन मोहन मालवीय, मौलाना हसरत मोहानी, एस सत्यमूर्ति, स्वामी श्रद्धानंद, मौलाना शौकत अली, डा. एनी बेसेंट, टी प्रकाशम और जवाहर लाल नेहरू समेत तमाम दिग्गज मौजूद थे।गांधीजी का भाषण हिंदी में हुआ। पर उनका जो आधिकारिक अध्यक्षीय भाषण कन्नड़, हिंदी, मराठी और अंग्रेजी में छप कर बंटा उससे अलग उन्होंने कई बातें कही। उनका कहना ता कि स्वराज्य मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, तिलकजी के इस श्लोक को पूरा करने के लिए ही मैं पैदा हुआ हूं।उन्होंने एकता का संदेश देते हुए पहली बार राजनीतिक एजेड़े में छुआछूत के खिलाफ मुहिम को भी रखा और साफ कहा कि अस्पृश्यता स्वराज की राह की सबसे बड़ी बाधाओं में है। जितना जल्दी हम यह काम करें हमारे हित में है।बेलगांव में ही हिंदुस्तानी सेवादल ने डॉ हाडीकर के नेतृत्व में 1156 स्वयंसेवकों ने ऐतिहासिक काम किया। रोज सुबह राष्ट्रीय ध्वज समारोहपूर्वक फहराने और शाम को उतारने का सिलसिला भी यहीं से आरंभ हुआ, जिसका जिम्मा सेवादल को मिला।बेलगांव कांग्रेस में 14 प्रस्ताव पारित हुए। इसका धन्यवाद ज्ञापन पंडित मोतीलाल नेहरू ने दिया था। गांधीजी की आखिरी टिप्पणी जवाहरलाल नेहरू पर उनकी भविष्यवाणी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि जवाहर लाल नेहरू की पूजा जगत करेगा और उन पर पुष्पवर्षा करेगा।इस अधिवेशन पर कुल 2.20 लाख रुपए का खर्च आया था जिसमें से खद्दर पर 30,547 तथा रेलवे के कामों पर हुआ 17,900 रुपए भी शामिल था। एक स्वदेशी प्रदर्शनी भी वहां लगी जिसमें मैसूर राज ने भी भागीदारी की। चिकित्सकों का अच्छा खासा दल भी यहां जुटा। पहली बार आयुर्वेदिक औषधियों को भी इसमें जगह मिली।बेलगांव सम्मेलन के बाद गांधीजी ने देश के कई प्रांतों का लगातार दौरा किया। केरल में वे 10 मार्च 1925 को वायकोम पहुंचे और छुआछूत के खिलाफ लड़ रहे सत्याग्रहियों को समर्थन दिया। साल भर में कांग्रेस की कार्यप्रणाली में काफी बदलाव आया और कांग्रेस की शक्ति बढ़ी।उस दौरान अंग्रेजी राज में लोगों में फौज का भय, कोने-कोने फैली पुलिस का भय, दमनकारी कानूनों का भय, महाजनों का भय, कैद का भय, जमींदार के गुमाश्ते का भय कायम था। लेकिन गांधीजी ने उनको किसी से न डरने की सलाह दी।हालांकि गांधीजी की 1915 में भारत आने के बाद से ही अलग हैसियत रही है। गांधीजी की शहादत के पहले नेहरूजी ने कहा था कि महात्मा गांधी कांग्रेस के स्थायी और सर्वोच्च अध्यक्ष हैं और जब वे नहीं रहेंगे तो उनकी आत्मा कांग्रेस का नीति संचालन करेगी।28 दिसंबर को 140वें वर्ष में प्रवेश कर रही कांग्रेस के अब तक 85 महाधिवेशन हो चुके हैं। आजादी के ठीक पहले 54वां अधिवेशन 1946 में मेरठ में और आजादी के बाद 55वां अधिवेशन जयपुर में पट्टाभि सीतारमय्या की अध्यक्षता में हुआ, जबकि संविधान बनने के बाद 56वां अधिवेशन नासिक में हुआ था।

संपादकीय

बेलगावी में कांग्रेस बटोरेगी नयी ताकत

26 दिसम्बर से कांग्रेस कर्नाटक के बेलगावी से नवसत्याग्रह की शुरुआत करने जा रही है। ठीक 100 वर्ष पहले 26-27 दिसम्बर को इसी बेलगावी में कांग्रेस का जो अधिवेशन हुआ था, उसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी। यह बापू के जीवन काल का एकमात्र अधिवेशन था जिसकी उन्होंने सदारत की थी। उससे प्रेरित कांग्रेस ने इस अधिवेशन के लिये वैसे तो बेलगावी का चयन काफी पहले से कर रखा था; और प्रदेश कांग्रेस ने तैयारियां भी प्रारम्भ कर दी थीं, हालिया सियासी घटनाक्रम ने इसका महत्व इस बात से कहीं अधिक बढ़ा दिया है कि यह 100 साल पूर्व हुए सम्मेलन की अगली कड़ी की तरह है। जिन परिस्थितियों में यह अधिवेशन हो रहा है और जैसे निर्णयों की अपेक्षा है, उससे कहा जा सकता है कि इसकी महत्ता प्रतीक से बढ़कर वास्तविकता के स्तर पर है। मई 2022 में हुए उदयपुर नव संकल्प शिविर के फैसलों ने जैसे निर्जीव व निस्तेज कांग्रेस में नये प्राण फूंके थे, वैसी ही ताकत बटोरने की अपेक्षा कांग्रेस को बेलगावी अधिवेशन से है।

इस अधिवेशन की महत्ता जानने के पहले उदयपुर अधिवेशन सम्मेलन के प्रभावों तथा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को समझना आवश्यक है। 2019 में लोकसभा चुनाव तथा उसके आगे-पीछे गिने-चुने प्रदेशों को छोड़कर ज्यादातर विधानसभा चुनावों में पराजित कांग्रेस भितरघातों तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सतत शक्तिशाली होती भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस कदर बुलडोज़ हो चुकी थी कि संगठन में टूट-फूट व बिखराव का मंजर था। नेतृत्व को कोई भी ऐरा-गैरा चुनौती देता या सवाल उठाता रहता था। जी-23 के नाम से बाकायदा एक अंदरूनी मंच तैयार हो गया था जो शीर्ष नेतृत्व की खुली आलोचना करता था। निराशा का स्तर ऐसा रहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन से व्यथित राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद त्याग दिया तथा दल को सम्हालने के लिये सोनिया को फिर सर्वोच्च कुर्सी पर लौटना पड़ा था। बड़े पैमाने पर या तो उसकी सरकारें गिराई जाती रहीं या फिर संगठन छोड़कर उसके लोग भाजपा में प्रविष्ट होते गये। पार्टी को तोड़ने के लिये धन बल से लेकर पद का लालच और केन्द्रीय जांच एजेंसियों का डर दिखाया जाता।

मोदी व उनके मुख्य सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के %ऑपरेशन लोटस% ने सारी लोकतांत्रिक व संसदीय मर्यादाएं तार-तार कर दीं। 2014 में जिस %कांग्रेस मुक्त भारत% का नारा मोदी ने दिया था, उसका विस्तार करते हुए शाह के सहयोग से पीएम %विपक्ष मुक्त भारत% की योजना के काम में जुट गये। स्वीकार करना होगा कि इसमें उन्हें काफी सफलता मिली। कांग्रेस समेत देश के तमाम गैर भाजपायी राजनीतिक दलों में मुर्दनी छा गयी। तमाम प्रशासनिक नाकामियों के बाद भी भाजपा इतनी मजबूत हो गयी कि देश की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक ताकतें उसके हाथों में आती चली गयीं। मजबूत प्रतिपक्ष के अभाव में मोदी निरकुंश हो गये। फ्लॉप योजनाओं के अलावा भ्रष्टाचार चरम पर पहुंचा। नेहरू खानदान तथा कांग्रेस की आलोचना की आड़ में मोदी हर जवाबदेही से बचते रहे। ध्रुवीकरण के उद्देश्य से भाजपा द्वारा देश में नफ़रत व हिंसा का ऐसा विषाक्त माहौल बना दिया गया कि अब पूरा सामाजिक ताना-बाना बिखर चुका है। संवैधानिक प्रणाली पर जमकर हमले किये गये। यह सारा राजनीतिक लाभ उठाने के लिए किया जाता रहा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन करने वाले लोग, शक्तियां एवं संगठन देश में दक्षिणपंथी उभार को लाचारगी से तकने के अलावा कुछ भी नहीं कर पा रहे थे।

उदयपुर ने उस अंधेरे में रोशनी फैलानी शुरू की। उसमें लिये गये निर्णय के अनुरूप राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से श्रीनगर (कश्मीर) तक %भारत जोड़ो यात्रा% के नाम से ऐतिहासिक पैदल मार्च किया- 7 सितम्बर, 2022 से 30 जनवरी, 2023 तक। इसका उद्देश्य घृणा व हिंसा के वातावरण को खत्म करना था। फिर साम्प्रदायिक हिंसा की लपटों में घिरे मणिपुर से मुम्बई तक वाहन व पैदल की मिली-जुली यात्रा की- 14 जनवरी से 18 मार्च, 2023 तक। दोनों को मिलाकर राहुल ने लगभग 10 हजार किलोमीटर से ज्यादा का फासला नापा और करोड़ों लोगों से मिले। इन यात्राओं से स्वयं राहुल तथा कांग्रेस की छवि में बड़ा सुधार आया जिसे देश की कार्पोरेट लॉबी द्वारा प्रायोजित एक सुनियोजित व खर्चीले अभियान के तहत भाजपा के प्रचार तंत्र ने विकृत किया था। इन यात्राओं के दौरान सामने आया कि मोदी किस तरह से देश को कमजोर कर अपने मित्रों की झोलियां दौलत से भर रहे हैं। उनकी लूट-खसोट भरी शासन प्रणाली का भी पर्दाफाश हो गया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गौरवशाली सौ वर्ष

26 दिसम्बर 24 को हम पार्टी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने को अग्रसर हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था।

26 दिसम्बर 24 को हम पार्टी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने को अग्रसर हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था। 1920-22 में ऐतिहासिक असहयोग आंदोलन में मजदूरों, किसानों, छात्रों, मध्यम वर्गों की कार्रवाई एवं चेतना को नये स्तर तक जागृत कर दिया था।25 दिसम्बर 1925 कुछ युवा देश भक्त महान समाजवादी अक्टूबर क्रांति से प्रेरित होकर तथा क्रांतिकारी जोश से भरकर साम्राज्यवादी उत्पीड़न का सामना करते हुए कानपुर में इकट्ठा हुए और उन्होंने राष्ट्रीय आजादी एवं समाजवाद के भविष्य के लिये संघर्ष करने के संकल्प के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की।

26 दिसम्बर 24 को हम पार्टी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने को अग्रसर हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था। 1920-22 में ऐतिहासिक असहयोग आंदोलन में मजदूरों, किसानों, छात्रों, मध्यम वर्गों की कार्रवाई एवं चेतना को नये स्तर तक जागृत कर दिया था। लेकिन अचानक असहयोग आंदोलन वापिस किये जाने से उनमें निराशा एवं मोहभंग हो गया और वे साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष के लिये नये अधिक क्रांतिकारी तथा सुसंगत मंच की खोज करने लगे। भाकपा का जन्म मजदूरों, किसानों, छात्रों के जुझारू एवं वर्गीय उभारों के बीच हुआ जो हड़तालों, संघर्षों, भूस्वामी विरोधी धाराओं के प्रतिनिधि थे। जो कानपुर में 26-28 दिसम्बर 1925 को शामिल हुए और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। यह हल्की धारा विशाल धारा बन गई।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म जुझारू साम्राज्यवाद विरोधी देश भक्त और अंतरराष्ट्रीयतावाद, राष्ट्रीय मुक्ति के लिये संघर्ष तथा समाजवाद के लिये वर्ग संघर्ष की धाराओं के मिलन से हुआ। साम्राज्यवाद को उखाड़ फेंकने और पूर्ण आजादी की मांग 1921 में कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में हजरत मोहानी (जो भाकपा स्थापना स्वागत समिति के अध्यक्ष थे) ने प्रस्ताव पेश किया। 1922 के कांग्रेस के गया अधिवेशन में सिंगारवेलु चेट्टियार (जिन्होंने कानपुर स्थापना सम्मेलन की अध्यक्षता की) ने पूर्ण आजादी की मांग दुहराई और व्यापक समर्थन हासिल किया। कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन 1928 में एटक, भाकपा आदि ने पचास हजार लोगों का प्रदर्शन कर पूर्ण आजादी की मांग दुहराई तब जाकर 1931 करांची कांग्रेस अधिवेशन में इस मांग को मंजूर किया। भारत और विदेशों के भारतीय राष्ट्रवादी एवं क्रांतिकारी कम्युनिस्ट आंदोलन की ओर आकृष्ट होने लगे। मुस्लिम क्रांतिकारियों के खिलाफ़ जिन्हें मुजाहिरों के नाम प्रसिद्ध है। उन पर चार पेशावर षडयंत्र केस चलाये गये। जिसका लक्ष्य नवजात कम्युनिस्ट आंदोलन को कुचलना था परन्तु ऐसा नहीं हुआ। अंग्रेजों ने जल्द ही दूसरा प्रहार किया। एस.ए.डांगे मुजफ्फर अहमद, नलिनी गुप्ता, शौकत अली, उस्मानी, सिंगारवेलु चेट्टियार, गुलाम हुसैन एवं अन्य के खिलाफ़ कुख्यात कानपुर षडयंत्र केस में 17 मार्च 1924 को दिये आरोप पत्र में कहा अभियुक्त कम्युनिस्टों का लक्ष्य %एक हिंसक क्रांति द्वारा ब्रिटिश साम्राज्यवाद को पराजित करना तथा ब्रिटिश साम्राज्य की संप्रभुता से वंचित करना था।मई 1924 को डांगे, मुजफ्फर अहमद, गुप्ता और उस्मानी को चार वर्ष की कैद की सजा दी गई। कम्युनिस्टों ने राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और ट्रेड यूनियन आंदोलन में सशक्त कार्रवाइयां करना तथा राजनैतिक क्षेत्र में उनके कार्यकलापों ने राष्ट्रीय आंदोलन के क्रांतिकारी पक्ष को सामने ला दिया। जिस पर मार्च 1929 में 31 अग्रणी कम्युनिस्ट एवं ट्रेड यूनियन नेताओं को गिरफ्तार किया जो मेरठ षडयंत्र केस के नाम से प्रसिद्ध है। इनमें एस.ए. डांगे मुजफ्फर अहमद, गंगाधर अधिकारी, पी.सी. जोशी, एस.एस. मिरजकर तथा अन्य शामिल थे।

1930-40 के दशक के दौरान सैकड़ों जुझारू देशभक्त, राष्ट्रीय क्रांतिकारी, मजदूर शामिल हो गये। वर्ग आधार एवं वर्ग दृष्टिकोण से भाकपा ने देश की बहुमत जनता को भागीदार बनाने हेतु 1920 में एटक का गठन किया गया। 1936 में स्वामी सहजानंद सरस्वती और इन्दुलाल याज्ञिक जैसे क्रांतिकारी जनवादी नेताओं के साथ किसान सभा की स्थापना की गई जिसके झंडे तले जमींदारी प्रथा समाप्त करने, कास्तकारों की हितरक्षा, आधी बटाई की जगह दो तिहाई हिस्सा देने, जोतने वालों को जमीन देने जैसी मांगों को लेकर शक्तिशाली सामंत विरोधी किसान कार्रवाईयां हुई। किसान संघर्ष के दौरान कार्यानंद शर्मा, ए.के. गोपालन, जीवानंदन जैसे सैकड़ों नाम है। बाद में महान लेखक, विचारक राहुल सांस्कृत्यायन भी किसान सभा में शामिल हुए और अनेक बार जेल गये। कैय्यूर शहीदों के अमर नाम, तेभाना, तेलंगाना, पेप्सू संघर्ष के वीरों के नाम अवस्मिरणीय रहेंगे।

1936 में प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना की गई। भारतीय संस्कृति के महान व्यक्तियों गुरूवर रवीन्द्रनाथ टैगोर, मुंशी प्रेमचंद, महाकवि वल्लाथोल, सज्जाद जहीर, जोश महीलावादी आदि ने लोकप्रिय, प्रगतिशील, साम्राज्यवादी विरोधी एवं फासिस्ट विरोधी लोकतांत्रिक संस्कृति का अग्रदूत लेखक संघ बन गया। 1943 में भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) की स्थापना बहुलवादी संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण मोड़ था। क्रांतिकारी गीत, संगीत, नाटक, नुक्कड़ नाटक के लोक रूपों के पुर्न जीवन से %जनता को संस्कृति के निकट लाने वं संस्कृति को जनता के निकट लाने में% मदद मिली।

कम्युनिस्टों द्वारा सामंत विरोधी साम्राज्यवाद विरोधी लहर का प्रभाव आम जनता के साथ फौज पर भी पड़ा परिणाम स्वरूप भारतीय वायुसेना ने हड़ताल कर दी और 1946 में भारतीय नौसेना के सैनिकों एवं भारतीय अधिकारियों ने विद्रोह कर दिया जो महान विद्रोह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता युद्ध के बाद अभूतपूर्व था। विद्रोही नौ सैनिकों ने पोतों पर से यूनियन जैक को उखाड़ फेंका और लाल, हरा एवं सफेद झंडा लहराया और देशवासियों के समर्थन की अपील की परन्तु कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा समर्थन न करने से व्यथित होकर विद्रोही नौसेनिकों ने सफेद और हरा झंडा भी समुद्र में फेंक दिया और सिर्फ लाल झंडा लेकर निकले। बंबई में दो लाख से अधिक मजदूरों ने नाविकों के समर्थन में हड़ताल कर प्रदर्शन किया जिसमें गिरनी कामगार यूनियन, एटक तथा कम्युनिस्टों की अग्रणी भूमिका थी। ऐसी सामन्त विरोधी, साम्राज्यवाद विरोधी प्रभावी जनसंघर्षों का परिणाम था कि अंग्रेज़ राज्य सम्भालने में असमर्थ थे तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की राजनैतिक स्थितियां भी समीचीन थी और 15 अगस्त 1947 को भारत को आज़ादी मिली।

बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर विधिक कार्यवाही की गयी

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। शुक्रवार को थाना मंझनपुर पुलिस उ०नि० जयन्त गुप्ता मय हमराह पुलिस बल द्वारा पॉक्सो एक्ट से संबन्धित बाल अपचारी को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लेकर विधिक कार्यवाही के पश्चात माननीय न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड भेजा गया।

142 वाहनों का ई-चालान किया गया

कौशांबी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो-पहिया/चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 142 वाहनों का ई-चालान किया गया।

अवैध शराब के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। थाना कड़ाधाम पुलिस म०उ०नि० निधि वर्मा मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्ता फूलमती पत्नी रजपत लाल नि० इस्माइलपुर थाना कड़ाधाम, अभियुक्ता कमलेश कुमारी पत्नी श्रीराम नि० स्माइलपुर थाना कड़ाधाम जनपद कौशाम्बी को 20 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

शांति भांग कार्यवाही में 8 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। जनपद में अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में (थाना करारी से 02, थाना कौशाम्बी से 02, थाना कोखराज से 03, थाना कड़ाधाम से 01 कुल 08 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान मा० न्यायालय किया गया।

अटल जी सुशासन के संवाहक और महान राष्ट्रवादी थे -केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अटल जी का जीवन और कार्यकाल हम सबके लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। श्रद्धेय अटल जी महान राष्ट्रवादी विचारक, युग दृष्टा, प्रखर वक्ता व सुशासन के संवाहक थे। केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को वाराणसी के भारतीय शिक्षा मंदिर विद्यालय में आयोजित भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने अटल जी के स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित का नमन किया तथा उनके जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया ।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अटल जी की कविताएं, उनकी जीवन गाथा, पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने जो आधारशिला रखी थी, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उसी आधार शिला पर देश का नव निर्माण हो रहा है। उन्होंने अटल जी के जीवन संस्मरणों की याद ताजा करते हुए उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि यह वर्ष अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष है। उन्होंने कहा कि सुशासन के लक्ष्यों को कैसे प्राप्त किया जा सकता है यह अटल जी ने करके दिखाया था, इसीलिए उनके जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को ही लखनऊ स्थित दिलकुशा लॉन में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म शताब्दी अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य मेले के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में साइकिल वितरण, मोबाइल वितरण व विभिन्न प्रकार के इलाज से संबंधित कैंपों का अवलोकन भी किया। आयोजित स्वास्थ्य मेले में दिव्यांग जनों को साइकिल व लोगों को मोबाइल वितरित कर विभिन्न प्रकार के इलाज से संबंधित कैंपों का अवलोकन भी किया।

लूट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, तमंचा कारतूस बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुरामुफ्ती पुलिस रंगदारी के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को शुक्रवार गिरफ्तार कर तमंचा कारतूस बरामद करते हुए जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष पुरामुफ्ती मनोज कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में चोरी लूट के अपराधियों की तलाश की जा रही थी इसी बीच मुखबिर की सूचना पर रंगदारी व लूट के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त मो0 जका पुत्र मो0 अहमद सिद्दकी निवासी भरेठा बमरौली थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज को पोंगहट गांव जाने वाली सड़क बमरौली थाना क्षेत्र पूरामुफ्ती से गिरफ्तार कर कब्जे से 01 तमन्चा. 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

चौकी प्रभारी अमित कुमार सिंह, प्रशि0 उ0नि0 रोहित मिश्रा, थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज।

डॉ. रीना सचान ने लेफ्टिनेंट रैंक 'अल्फा ग्रेड' प्राप्त कर एमएलएनआर का बढ़ाया गौरव

मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ वत्सला मिश्रा, प्रमुख अधीक्षक डा अजय सक्सेना ने दी बधाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज : मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (एम एल एन आर) की माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष और एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) की इंचार्ज डॉ. रीना सचान ने तीन महीने की कठिन और चुनौतीपूर्ण ट्रेनिंग के बाद बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने एनसीसी ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, ग्वालियर में 90 दिनों की ट्रेनिंग पूरी की। इस कठिन ट्रेनिंग के बाद डॉ. सचान को लेफ्टिनेंट रैंक और 'अल्फा ग्रेड' (सबसे उच्चतम ग्रेड) से सम्मानित किया गया है। डॉ. रीना सचान को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान किया गया।

उनकी इस उपलब्धि को मान्यता देते हुए आर्मी ग्रुप मुख्यालय, प्रयागराज की ओर से 28 दिसंबर 2024 को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि उनकी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का प्रमाण है, जो छात्रों और सहकर्मियों के लिए प्रेरणादायक है।

डॉ. रीना सचान की इस सफलता पर मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि"यह उपलब्धि न केवल हमारे कॉलेज के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह छात्रों में राष्ट्र के प्रति सेवा भावना को प्रोत्साहित करेगी।"

कॉलेज के प्रमुख अधीक्षक डॉ. अजय सक्सेना और अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों ने भी उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि डॉ. रीना सचान ने अपनी प्रतिबद्धता और दृढ़ता से यह सफलता अर्जित की है, जो चिकित्सा और एनसीसी जैसे क्षेत्रों में सामंजस्य स्थापित करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

एनसीसी ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, ग्वालियर में आयोजित यह प्रशिक्षण न केवल शारीरिक और मानसिक धैर्य की परीक्षा था, बल्कि नेतृत्व और सेवा भावना को भी बढ़ावा देने वाला था। डॉ. रीना सचान की यह उपलब्धि कॉलेज के छात्रों और सहकर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

कॉलेज प्रशासन और समस्त स्टाफ की ओर से डॉ. रीना सचान को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। उनकी यह उपलब्धि प्रयागराज और मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज दोनों के लिए गौरव का विषय है।

सरकारी विभागों से टैक्स वसूलने के लिए नाकों चने चबा रहे नगर पालिका परिषद

लोनिवि का 76.08 लाख, जिला उद्योग केन्द्र का 10.75 लाख तथा आयुर्वेद अस्पताल का 9.70 लाख रुपए टैक्स बकाया

बहराइच। नगर पालिका परिषद बहराइच के लिए सरकारी विभागों से टैक्स वसूलना चुनौती पूर्ण कार्य बन गया है। एक तरफ शासन की ओर से टैक्स वसूली का लक्ष्य 2.83 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है वहीं दूसरी तरफ शहर में संचालित सरकारी विभाग के ऑफिस की ओर से टैक्स ही नहीं जमा किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी विभाग ने पांच साल से हाउस और वाटर टैक्स जमा नहीं किया है। जिसके चलते बकाया 76 लाख से अधिक हो गया है।नगर पालिका के आरआई सत्य प्रकाश ने बताया कि नवम्बर माह तक 1.76 करोड़ रुपए टैक्स वसूला गया है। उन्होंने बताया कि शहर में निवास करने वाले 32 हजार लोगों से टैक्स वसूली की जा रही है। वहीं सरकारी विभाग हाउस और वाटर टैक्स जमा करने में आनाकानी कर रहे हैं। जिसका उदाहरण पीडब्ल्यूडी विभाग है।पीडब्ल्यूडी विभाग पांच साल से टैक्स का रुपया नहीं जमा किया है। जिसके चलते विभाग पर 76 लाख आठ हजार का बकाया हो चुका है। इसके लिए नगर पालिका की ओर से पत्र भी भेजा गया है। फिर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे नगर पालिका परिषद बहराइच को लक्ष्य हासिल करने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने बताया कि बकायदार विभागों में शीर्ष पर पीडब्ल्यूडी विभाग है जिसका 76.8 लाख रुपए टैक्स बकाया है। दूसरे नंबर पर जिला उद्योग केंद्र रहा जिसका 10.75 लाख रुपए टैक्स बकाया है।आयुर्वेदिक अस्पताल का 9.7 लाख रुपए टैक्स बकाया है।अधिशासी अधिकारी प्रमिता सिंह ने बताया कि सरकार की ओर से निर्धारित टैक्स आम शहरवासियों के अलावा सरकारी विभागों को जमा करना होता है। इसी रुपए से सड़क, नाली निर्माण समेत अन्य विकास कार्य होते हैं लेकिन विभाग कोताही बरत रहे हैं।इसके लिए पत्र लिखा गया है। हाउस और वाटर टैक्स सभी को जमा करना अनिवार्य है।

प्रभात पांडेय के मौत की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

बहराइच। जिले के कांग्रेस कार्यकताओं ने गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विगत 18 दिसंबर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर लखनऊ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्ण बल प्रयोग की वजह से युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रभात पांडेय के मृत्यु की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की गई।ज्ञापन सौंपने वाले कांग्रेस कार्यकताओं की अगुवाई निवर्तमान शहर अध्यक्ष आदर्श अग्रवाल, एआईसीसी सदस्य मेजर राना शिवम सिंह व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य अमर नाथ शुक्ल ने की।इस अवसर पर पार्टी नेता हसन इशियाक, मुकुंद जी शुक्ल, देवेंद्र श्रीवस्ताव, कांग्रेस नेता शिवेंद्र सिंह, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष विपुल मिश्र, कांग्रेस नेत्री प्राची श्रीवास्तव पांडेय, हीरा लाल राव, फजल खान, खालिद हिशामी, मो. फरीद, राघवेन्द्र द्विवेदी पुल्लू, गोवर्धन लाल अवस्थी तथा गोपी नाथ सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अमित शाह ने नई दिल्ली में 10,000 नव गठित बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का किया शुभारम्भ

लखनऊः सहकारिता मंत्रालय द्वारा सहकार से समृद्धि के तहत 25 दिसम्बर, 2024 को 10,000 नवगठित बहुउद्देशीय पैक्स, डेंयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ केन्द्रीय सहकारिता एवं गृहमंत्री अमित शाह द्वारा नई दिल्ली स्थित भारतरत्न सी0 सुब्रमण्यम सभागार, एन.ए.एस.सी. कॉम्प्लेक्स आई.सी.ए.आर., पूसा में किया गया। श्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, मा0 केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री भारत सरकार ने कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया वहीं कार्यक्रम में कृष्ण पाल सहकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार व मुरलीधर मोहोल सहकारिता एवं नागर विमानन राज्यमंत्री, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में सहकारिता क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई पहलों पर प्रस्तुति दी गयी।

इसी क्रम में प्रदेश स्तर पर जे.पी.एस. राठौर, सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में सहकारिता मुख्यालय लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री एम.पी. अग्रवाल प्रमुख सचिव सहकारिता, के. रविन्द्र नायक प्रमुख सचिव दुग्ध विकास तथा मत्स्य की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से चयनित पांच बी-पैक्स, 11 दुग्ध, 10 मत्स्य नवगठित सहकारी समितियों को प्रमाण पत्र तथा अन्य को माइक्रो एटीएम, ऋण सीमा स्वीकृत के प्रमाण पत्र/प्रशस्ति पत्र वितरित किये गये। प्रधानमंत्री जनऔषधि केन्द्र, एआईएफ एवं जन सेवा केन्द्र (सीएससी) की एक-एक समिति तथा एमएसएमई योजना में 03 समितियों को एवं नैनो उर्वरक में सर्वाधिक वितरण हेतु 03 समितियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किये गये। इस प्रकार कार्यक्रम में कुल 40 प्रमाण पत्रों/प्रशस्ति पत्रों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियों में बी-पैक्स अलामचक विकास खण्ड कैम्पियरगंज जनपद गोरखपुर, बी-पैक्स अहरक जनपद वाराणसी, बी-पैक्स बहादुर नगर विकास खण्ड-बिजुआ जनपद लखीमपुर खीरी, बी-पैक्स कासिमपुर जनपद सीतापुर, बी-पैक्स दुग्ध समितियों में जनपद गोण्डा से दुग्ध समिति तेजपुर व दुग्ध समिति जनपद से दुग्ध समिति भोरकला, जालौन से दुग्ध समिति सुजानपुर, सैदनपुर व जदवापुर को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

भव्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम के बीच मनाया गया कलाम फाउंडेशन का पांचवा स्थापना दिवस समारोह

स्मारिका के माध्यम से बहराइच के बुद्धिजीवियों, साहित्यकारों तथा अधिवक्ताओं की भावनाओं को उजागर करने की अनूठी पहल

बहराइच। सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई सामाजिक संस्था कलाम फाउंडेशन का पांचवा स्थापना दिवस एक भव्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संध्या के रूप में बहराइच स्थित विजय लॉन में मनाया गया। अपने स्थापना दिवस के अवसर पर एक नई पहल करते हुए कलाम फाउंडेशन ने "बहराइच स्मारिका" के नाम से एक पत्रिका का प्रारंभ किया, इस पत्रिका में शिक्षा,साहित्य एवं विधि के क्षेत्र से जुड़े हुए लगभग 40 वरिष्ठ बुद्धिजीवियों का जीवन परिचय प्रकाशित किया गया है,पत्रिका के विमोचन के दौरान वरिष्ठ साहित्यकार राम संवारे द्विवेदी चातक, शिक्षाविद डॉ. गणेश प्रसाद, डॉ सुधा सिंह, प्रोफेसर राजेश्वर सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश कालिया, वरिष्ठ अधिवक्ता राम छबीले शुक्ला, वरिष्ट शिक्षिका विंध्यवासिनी त्रिपाठी, वरिष्ठ समाज सेवी योगेंद्र मणि त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता शकील किदवई, बनवारी लाल गुप्ता, बार एसोसिएशन बहराइच के वर्तमान अध्यक्ष रामजी बाजपेई एवं महामंत्री बालू मिश्रा के साथ-साथ तमाम वरिष्ठ बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।इस अवसर पर फीट ऑफ फायर डांस एकादमी एवं मेट्रो डांस अकादमी के द्वारा दी गयी प्रस्तुतियों नें सबका मन मोहा।

साहित्यिक कार्यक्रम के मद्देनजर बहराइच जनपद में पहली बार एक अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें नेपाल राष्ट्र से कवियित्री कृष्णा देवी पांडे,मधई सिंह सिख, के साथ-साथ वरिष्ठ कथा वाचक डॉ. संत शरण त्रिपाठी, अयोध्या जनपद की प्रसिद्ध कवित्री रुचि दुबे, बस्ती जनपद से पधारी हुई डॉक्टर शिवा त्रिपाठी सरस, उन्नाव जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार कुलदीप कलश, रायबरेली जनपद के प्रसिद्ध कवि अभिजीत मिश्रा, बलरामपुर जनपद की कवयित्री डॉ.ममता सिंह परिहार की प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया कार्यक्रम का कुशल एवं सफल संचालन लखीमपुर से पधारे हुए साहित्यकार विनय प्रकाश मिश्रा ने किया!

कार्यक्रम में विशिष्ट तिथियां के रूप में पयागपुर विधायक प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी ,हुजूरपुर ब्लॉक प्रमुख अजीत प्रताप सिंह, केडीसी प्रबन्ध समिति के सचिव मेजर डॉ एसपी सिंह, अधिवक्ता संघ बहराइच के जिलाध्यक्ष पं रामजी बाजपेयी ,पूर्व अध्यक्ष पं रामछबीले शुक्ल एडवोकेट,जिला उपाध्यक्ष भाजपा रणविजय सिंह ,अमरेंद्र प्रताप सिंह,डॉ अरविन्द सिंह, डॉ. अभिलाषा वर्मा, प्रवक्ता व पत्रकार अजय त्रिपाठी ,प्रवक्ता राम रघुबंश मणि शुक्ल,अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ राजेन्द्र प्रसाद,प्रवक्ता एनडी अवस्थी , वीरेंद्र श्रीवास्तव ,प्रवक्ता विनय प्रकाश सिंह ,राजीव शर्मा ,एडवोकेट अनिल त्रिपाठी ,विवेक खरे,अरुण कुमार मिश्र,रमेश तिवारी ,चहलारी नरेश उत्तराधिकारी आदित्य भान सिंह, अधिवक्ता बृजनंदन पाण्डेय नीलू ,अजय सिंह,अनिल यादव, प्रद्युम्न बाजपेयी, अमनीश अवस्थी,रुद्र प्रताप त्रिपाठी के साथ -साथ तमाम वरिष्ठ नागरिक एवं श्रोता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में कलाम फाउंडेशन के संस्थापक अमर सिंह बिसेन एवं प्रदेश अध्यक्ष दिव्या पोरवाल ने संयुक्त रूप से सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों का आभार व्यक्त किया।

क्रांतिकारी ऊधम सिंह ने जलियांवाला बाग हत्याकांड का बीस साल बाद लिया था बदला

सेनानी भवन के सभागार में सेनानी उत्तराधिकारी संगठन ने मनाई 125वीं जयंती

बहराइच। आज स्थानीय सेनानी भवन सभागार में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास के योद्धा ऊधम सिंह का 125वां जन्म दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित देशभक्तों ने उनके अदम्य साहस और देश के प्रति उनके समर्पण की भूरि भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष एवं सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के संरक्षक अनिल त्रिपाठी ने कहा कि ऊधम सिंह महान क्रांतिकारी एवं भारत के स्वतंत्रता सेनानी थे, उन्होंने जलियांवाला बाग काण्ड के समय पंजाब के गवर्नर जनरल रहे माइकल ओ डायर को लंदन में जाकर गोली मारी थी वो पंजाब के रविदासिया सिख जाति से थे,जो अनुसूचित है।उनकी मुलाकात भगतसिंह से हुई थी।1939 में ऊधम सिंह ने जलियांवाला बाग काण्ड का बदला लेने के लिए ओ डायर की हत्या का फैसला किया।13 मार्च 1940 को लंदन के कैवन्सटन हाल में पंजाब के पूर्ववर्ती गवर्नर ओ डायर को ऊधम सिंह ने मार डाला। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश कार्यवाहक महामंत्री रमेश कुमार मिश्र ने कहा कि जलियांवाला बाग अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के पास का एक छोटा सा बगीचा है जहां 13 अप्रैल 1919 को जनरल ओ डायर के नेतृत्व में ब्रिटिश पुलिस ने गोलियां चला के निहत्थे,शान्त बूढ़ों, महिलाओं और बच्चों सहित कई सौ लोगों को मार डाला और इससे भी ज्यादा लोगों को घायल कर दिया।ऊधम सिंह भगतसिंह के और उनकी परम्परा के शिष्य थे।वो बड़े धैर्यशाली थे। मासूम लोगों की हत्या का बदला लेने के लिए उन्होंने 21 वर्ष का इंतजार किया, हालांकि आजादी की लड़ाई में कूदने के लिए उन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी,शहीद ऊधम सिंह को 31 जुलाई 1940 को लंदन के पेंटाविले जेल में फांसी दी गई थी। उपस्थित देशभक्तों ने बताया कि उनका बलिदान देश के तमाम नौजवानों का स्वतंत्रता आन्दोलन में जुड़ने का कारण बना और पूरा देश स्वतंत्रता के लिए उद्वेलित हुआ।अन्त में उपस्थित देशभक्तों ने ऊधम सिंह के पदचिन्हों पर चलकर देश की आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने के संकल्प के साथ कार्यक्रम समाप्त किया।कार्यक्रम में रामू प्रसाद मिश्र, अवधेश कुमार यादव, बृजेश कुमार मिश्र, राहुल चौधरी,अमित कुमार मिश्र,पवन सिंह सहित तमाम देश भक्त मौजूद रहे।

महाकुम्भ-2025 में लगभग 05 एकड़ में उ0प्र0 स्टेट पवेलियन की स्थापना की जायेगी-जयवीर सिंह

लखनऊः प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा महाकुंभ-2025 में लगभग 05 एकड़ में उत्तर प्रदेश स्टेट पवेलियन की स्थापना की जायेगी। पर्यटक यहां प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों सहित अन्य आकर्षणों की झलक देख सकेंगे। हस्तशिल्प बाजार और सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित कई अन्य आयोजन भी होंगे। पवेलियन में लोकप्रिय एवं प्रसिद्ध हस्तशिल्प बाजार सजाई जायेगी। इसके अलावा धार्मिक स्थलों की झांकी भी प्रस्तुत की जायेगी।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने देते हुए बताया कि प्रत्येक क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की अपनी विशिष्टता है। धार्मिक-आध्यात्मिक, प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के साथ-साथ यहां के व्यंजन, हस्तशिल्प, गीत और नृत्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। महाकुंभ-2025 में लगभग 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना हैं। इन्हें प्रदेश की प्रसिद्ध विरासत से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि महाकुंभ क्षेत्र सेक्टर 7 नागवासुकी मंदिर के समीप लगभग पांच एकड़ क्षेत्र में उत्तर प्रदेश स्टेट पवेलियन का निर्माण हो रहा है। उत्तर प्रदेश के 12 प्रमुख सर्किटों-रामायण सर्किट, कृष्ण ब्रज सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट, महाभारत सर्किट, शक्तिपीठ सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, सूफी-कबीर सर्किट, जैन सर्किट, बुंदेलखंड सर्किट, वाइल्ड लाइफ एवं ईको सर्किट, क्राफ्ट सर्किट, स्वतंत्रता संग्राम सर्किट के महत्वपूर्ण स्थलों को दशार्या जाएगा। साथ ही, 15,000 स्क्वायर फीट के वृहद मानचित्र पर थ्री-डी तकनीक के माध्यम से अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज, कुशीनगर, सारनाथ, नैमिषारण्य सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों को दशार्या जाएगा। इन स्थलों के महात्म्य के बारे में बताया जाएगा। जयवीर सिंह ने बताया कि प्रत्येक जिले की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के लिए 75 स्टॉल लगाए जाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए तीन मंच बनाए जाएंगे। खान-पान के 20 से अधिक स्टॉल लगेंगे, जहां स्थानीय के साथ-साथ विभिन्न प्रांतों के व्यंजन उपलब्ध कराए जाएंगे। पवेलियन में अलग-अलग सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे, जहां पर्यटक सेल्फी ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि अबकी बार का महाकुम्भ पारम्परिक महाकुम्भ से कुछ अलग होगा, इसमें सुरक्षा के साथ साफ-सफाई एवं नये उपकरणों से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की व्यवस्था की गयी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री महाकुम्भ-2025 को भारत की सांस्कृतिक विविधता, एकता, अध्यात्म को विश्व पटल पर पहुंचाना चाहते हैं। इस दृष्टि से इस बार का महाकुम्भ का आयोजन विशेष होने जा रहा है।

सीओ मंझनपुर के नेतृत्व में चला चेकिंग अभियान, कई वाहनों का हुआ चलान

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से थाना मंझनपुर पुलिस बल के साथ कस्बा मंझनपुर में भीड़ भाड़ व मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैदल गस्त की गयी एवं संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों को चेक किया गया।

इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक मंझनपुर संजय तिवारी समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद रहें।

नाजुक तेरे लब

सुन्दरता स्त्रियों को प्रकृति की दी हुई अनुपम भेट है। हर ऋतु में अपनी सुन्दरता को संभाल कर रखना हर स्त्री का धर्म है। अपने अनुपम अंगों की सही देखभाल करना स्त्री की सचेतना को दर्शाता है। विशेषकर शीत ऋतु में ठंडी हवाओं के चलते हुए हमें अपने खुले अंगों पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि ठंडी हवाएँ खुले अंगों की त्वचा को खुरदरा व सिकुडा हुआ बना देती है और त्वचा फटनी शुरू हो जाती है।

खुले अंगों में से होंठ सबसे अधिक नाजुक होते हैं और शीघ्र फट जाते हैं। इनके फटने से या सिकुड़ने से चेहरे की सुन्दरता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। सुन्दर होठ चेहरे की शान होते हैं, इसलिए इनको फटने और सिकुड़ने से बचा कर रखना चाहिए।

- फटे हुए होंठ पीड़ादायक होते हैं और कभी-कभी अधिक फटने से उनमें खून रिसना शुरू हो जाता है। कई बार होठों पर जख्म बन जाते हैं जो देखने में बहुत गंदे लगते हैं। खिले-खिले होंठ सबको अच्छे लगते हैं। उनको खिला-खिला रखने के लिए सर्दियों में विशेष ध्यान देना चाहिए।
- खाना खाने के पश्चात दाँतों और होठों को अच्छी तरह से साफ करना चाहिए। अधिक जोर से होठों को न रगड़ें।
- होठों पर पपड़ी जमने पर उन्हें खींच कर मत निकालें। उन पर माइश्चराइजर या मलाई आदि धीरे-धीरे लगायें और कुछ समय के लिए छोड़ दें।
- नहाने से पूर्व नियमित नाभी में तेल लगायें। ऐसा नियमित करने से होंठ फटेंगे नहीं।
- होठों पर जैतून के तेल की या कोल्ड क्रीम की हल्की मालिश करें। उससे होठों की खुश्की से बचा कर रख सकते हैं।
- लिपिस्टक लगाने से पूर्व होठों पर माइश्चराइजर लगायें। बाहर जाते समय लिपिस्टिक लगा कर ठंड से होठों की सुरक्षा कर सकते हैं। ध्यान रखें रात्रि में सोते समय लिपस्टिक साफ कर के सोयें। बाद में होठों पर मलाई से हल्की मालिश कर लें।
- कच्चे दूध में केसर मिला कर नियमित होठों पर लगाने से होंठ गुलाबी बने रह सकते हैं।
- हो सके तो लिपस्टिक लगाने के बाद होठों पर लिप ग्लास लगा लें। इससे होठों में अधिक चमक आती है और लिपस्टिक जल्दी नहीं छूटती।
- उचित आहार पर अवश्य ध्यान दें।
- अधिक ठंडे और गर्म पेय पदार्थों का सेवन न करें। थोड़ी सी अतिरिक्त देखरेख से आप अपने होठों को सुंदर और गुलाबी रख सकती हैं। सर्दियों की हवा ठंडी और शुष्क होती है, इसलिए इन्हें आवश्यकता होती है अधिक देखभाल की।

इन्हें भी आजमाइए

- रसदार सब्जी बनाते समय यदि धीमी आंच पर बर्तन को ढंक कर पकाएं तो यह ज्यादा स्वादिष्ट और पौष्टिक बनेगी और मसालों की सुगंध भी नहीं बिगड़ेगी।
- यदि टमाटर छीलने हों तो कुछ देर के लिए गर्म पानी में डालकर छीलें। छिलका आराम से उतर जाएगा।
- प्याज काटते समय उसका असर आंखों में कम हो, इसके लिए प्याज छील कर कुछ देर के लिए पानी में डाल दें।
- नींबू सूख गए हों तो उन्हें थोड़ी देर के लिए गर्म पानी में डाल दें। रस निकल आएगा।
- नींबुओं को अधिक समय तक ताजा और रसदार रखने के लिए इन्हें राख में दबाकर रखें।
- हरा धनिया मुरझाने पर गिलास में थोड़े गर्म पानी में धनिए की डंडियां करीब एक घंटे के लिए डुबो देने से ताजा हो जाता है।
- आलू के चिप्स बनाते समय पानी में चुटकी भर फिटकरी डाल दें, चिप्स बिल्कुल सफेद बनेंगे।
- हरी सब्जियों को जल्दी सूखने से बचाने के लिए इन्हें टोकरियों में खुला रखने की बजाय अलग-अलग पॉली-थीन बैग में बंद करके रखें।
- पकौड़े अधिक कुरकुरे और खस्ता बनाने के लिए बेसन में थोड़ा-सा पिसा हुआ चावल का आटा मिला दें।
- सब्जियां बनाते समय उनमें पानी गर्म ही डालें तो सब्जियां जल्दी पकेंगी।

खुशी से मिले कामयाबी

हर चीज को देखने का अलग-अलग नजरिया होता है। हम अपनी हार व सामने वाले की जीत को किस नजरिए से देखते है। यह हमारी सोच पर निर्भर करता है। कुछ लोगों के मन में सफल व्यक्ति को देखकर ईर्ष्या की भावना पैदा होती है। तो कुछ उसे प्रतियोगी समझ कर उससे और आगे बढ़ना चाहते है। जलन या ईर्ष्या में हम दूसरों की उन्नति को देखकर बहुत दुखी होते है। ईर्ष्या करने से हमारे अंदर हीन भावना आती है। जबकि प्रतियोगिता में हमें सामने वाले से मेहनत करके आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। स्वस्थ प्रतियोगिता में कई बार प्रतिभागी ही एक दूसरे की मदद करते हैं। जबकि उन्हें पता होता है कि हमारी यह मदद सामने वाले को हमारे बराबर या हमसे आगे निकाल सकती है। यूंकि यह स्वस्थ प्रतियोगिता है। इसलिए हम इसमें एक-दूसरे की मदद करके भी आगे बढ़ते है। ईर्ष्यालु व्यक्ति तो कई बार मदद करने की बजाय काम ही बिगाड़ देते है। ताकि सामने वाला पिछड़ जाए। इस तरह की भावना रखने वाले लोग कभी स्वस्थ प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। यह एक अस्वस्थ प्रतियोगिता है। सही प्रतियोगिता तो तभी होती है। जब दोनो ही प्रतिभागियों का विकास हो, लेकिन जब एक व्यक्ति ही आगे बढ़ता हैं। और दूसरा उससे ईर्ष्या करके हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है। तो उसका दिमाग कुछ और नहीं कर पाता। उसकी पूरी ऊर्जा जलने में ही लगी रहती हैं। ईर्ष्या में उसकी उन्नति पूरी तरह समाप्त हो जाती हैं। वह अपना ध्यान अपने पर न देकर दूसरों पर ही लगाए रहता है। जिससे ईर्ष्याग्रस्त व्यक्ति अपने लिए कुछ नहीं कर पाता। दूसरों की सफलता से ईर्ष्या करने की वजाय यदि हम अपने मन में एक बात ठान लें कि जीतने वाले कोई अलग काम नहीं करते बल्कि वे हर काम अलग ढंग से करते है। बस, हमें उसी ढंग को समझना है। चूंकि दूसरों की अच्छाई को अपनाने में कोई बुराई नहीं होती इसलिए सामने वाले से जितना हो सके उतना सीखने की कोशिश करें ताकि आपकी जानकारी बढ़े और आप प्रगति करें।

दाम्पत्य जीवन में शिष्टाचार

- सुखी दाम्पत्य के लिए अप्रिय स्थितियों से बचने के विकल्प खोजें, कार्यों में रूचि लें, पूर्वाग्रहों से मुक्ति पाएं, गुणों की सराहना करें, बातों को तूल न दें, अपने व्यवहार की समीक्षा करें, क्रोध पर काबू रखें।
- अपने जीवनसाथी की किसी से तुलना न करें। हर वक्त ताना देने, बुराई करने, दोष देने से जीवनसाथी कुंठित होता है। इससे बचें।
- दोनों एक साथ क्रोध न करें। एक दूसरे के साथ जोर-जोर से न बोलें, वाद-विवाद में जीत का श्रेय अपने साथी को दें।
- पत्नी की भावनाओं और सम्मान का ध्यान रखें। पति-पत्नी समय-समय पर एक-दूसरे की तारीफ करें तथा विशेष मौकों पर उपहार दें।
- किसी पार्टी, यात्रा के दौरान पति-पत्नी अपना व्यवहार संतुलित रखें। अन्यथा उपहास के पात्र बन सकते हैं।
- यदि पत्नी नौकरपेशा है, तो उसके कार्य में सहयोग करें।

सब्जी टिक्की

सामग्री : 250 ग्राम उबले हुए आलू, 150 ग्राम कॉर्नफ्लोर, 50 ग्राम गाजर बारीक कटे हुए, 50 ग्राम हरे मटर उबले हुए, 50 ग्राम फूलगोभी बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून राई, 1 टीस्पून साबुत धनिया, आधा-आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, आधा टीस्पून अमचूर, आधा टीस्पून सफेद तिल, 1 टीस्पून शक्कर, चुटकीभर हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार।

विधि : आलू को अच्छी तरह मैश करके उसमें कॉर्नफ्लोर मिला लें और छोटी-छोटी लोई बनाकर रख दें। एक पैन में थोड़ा तेल डालकर जीरा, राई धनि.ा और करीपत्ते का तड़का लगाएं और उसमें सभी बारीक कटी सब्जियां और थोड़ा-सा पानी डालकर पकाएं। जब सब्जियां पक जाएं तो उसमें मिर्च पाउडर, अमचूर, शक्कर, सफेद तिल और स्वादानुसार नमक मिलाएं। आंच पर से उतारकर ठंडा होने दें। आलू की लोइयों में सब्जी वाला मिश्रण भरकर टिक्कियां बना लें और सुनहरा होने तक तलें।

सौंदर्य समस्याएं और प्रसाधन

- त्वचा का रंग निखारने के लिए नियमित फेस पैक स्क्रब लगाएं।
- आंखों के आसपास की लकीरों को दूर करने के लिए आंखों के आसपास सिनर्जी आई कंटूर जैल लगाएं।
- त्वचा के खुले रोम छिद्रों को दूर करने के लिए किसी भी बढ़िया कम्पनी का एस्ट्रींजैंट लोशन लगाएं।
- हाथों की त्वचा को नरम व मुलायम बनाए रखने के लिए बाडी लोशन या कोल्ड क्रीम का प्रयोग करें।
- हेयर स्टाइल को सैट करने के लिए हेयर स्प्रे का प्रयोग करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 1940

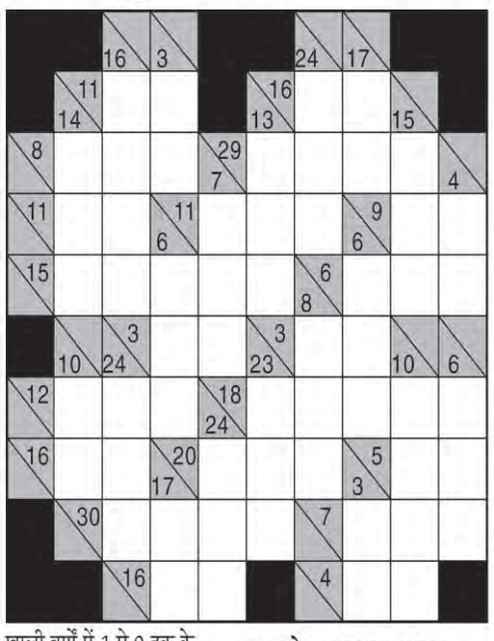

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

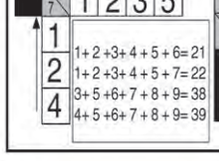

काकुरो - 1939 का हल

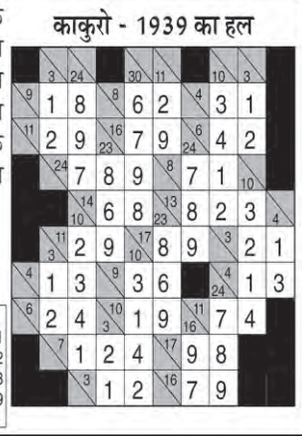

लॉफिंग ज़ोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

□ □ □

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1940

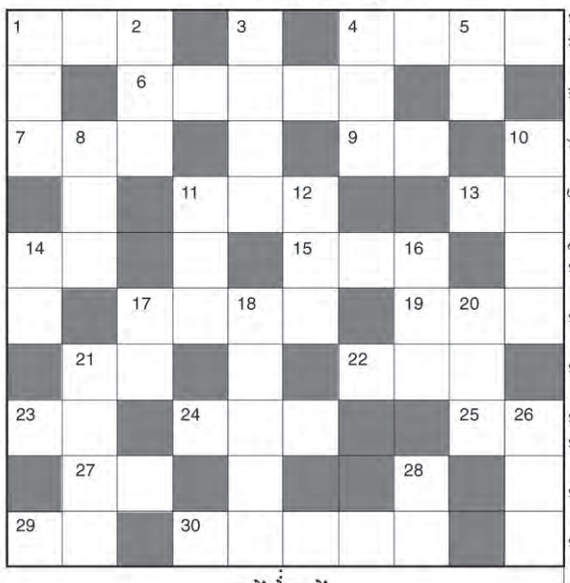

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचेः-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा हैं' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1939

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ला
हं		र्मा		ह	वा		ब	ह्मा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	इ	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
ह्मा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	दिं	श्र		स	त्या		दें		र

सूडोकु -1940

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1939 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 1940

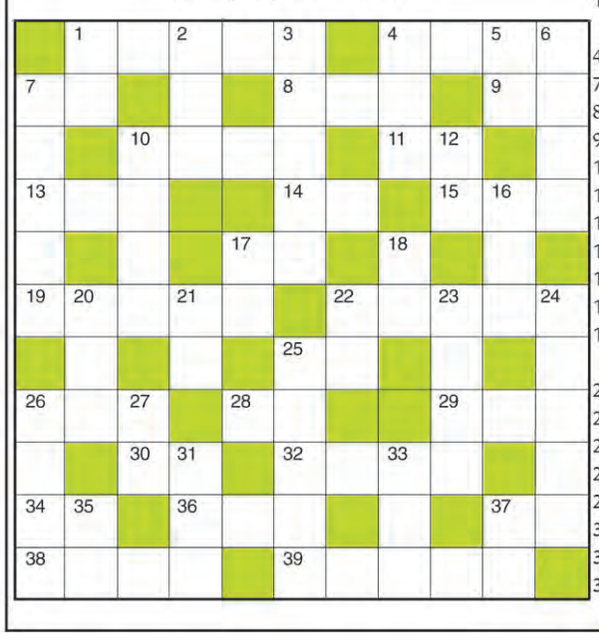

बाएँ से दाएँ

1. राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4. उदारता, बडप्पन-4
7. भोजन, खाद्य पदार्थ-2
8. प्रहरी, रक्षा करने वाला-3
9. अपशिष्ट पदार्थ-2
10. कामदेव, चंद्रमा-4
11. नाड़ी, नस-2
13. जबरस, जबरदस्ती-3
14. वायदा, वचन-2
15. भवन, आलय-3
17. आर्ट, हुनर-2
19. ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22. उद्देश्यहीनता-5
25. परिणाम-2
26. अंजन, नेत्रांजन-3
28. सांझ, संध्या-2
29. अधीन-3
30. निश्चित-2
32. निष्ठावान, सत्तानिष्ठ-4
34. बेइमान, सेंधमार-2
36. दाम, मूल्य-3
37. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38. मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39. अश्रु, आंसू-5

ऊपर से नीचे

1. स्वर्ण, कनक-2
2. गुजर करना-3
3. धैर्यवान-3,2
4. राशिचक्र की एक राशि-3
5. आंशिक भीगा हुआ-2
6. सामंजस्य-4
7. यायावर, बंजारा-5
10. चुनाव, वोटिंग-4
12. दुख, कष्ट-2
16. यज्ञ, होम-3
17. कमरा, रूम-2
18. उम्मीद, आस-2
20. जुड़वा-3
21. प्याला-2
22. हृदय, हार्ट-2
23. निकृष्टतर-4
24. बलवान, दमदार-5
25. स्वदेशवासी-5
26. आलसी, निठल्ली-4
27. बुरी आदत-2
31. भरोसा, विश्वास-3
33. आंचल, पल्लू-3
35. अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37. समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 1939 का हल

आ	ला	क		मा	न			क	मी	ज	
रा	ल			न		श	प	थ		मा	मा
म				ध	नि	क		न			लि
दे	ह	दा	न				अ		ल	ल	क
ह		खि		बे	शु	मा	र			ह	
	सा	ल		ल		न		सु	र		
	हि		ब	गा	व	त		र		हा	
ज	ल	न		म			अ	भि	मा	नि	
ग			चु		रा	ज	न				का
न	र		ना	ह	क		ब		चा	र	
	ब	हा	व			म	न	मो	ह	क	

हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 28, 29 दिसंबर को

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) के दिवंगत महासचिव के योगदान को याद करते हुए हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 3×3 प्रारूप में किया जाएगा, जिसमें दर्जनों पुरुष और महिला टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन 28 और 29 दिसंबर को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में किया जाएगा।दो दिवसीय इस आयोजन में 3-पॉइंट शूटिंग, फ्री थ्रो और डंक प्रतियोगिताएं भी होंगी, जो इसे सभी के लिए रोमांचक बना देंगी। हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का दूरदर्शन द्वारा 'लाइव' प्रसारण किया जाएगा और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रसारण किया जाएगा। विश्व संस्था फीबा भी आयोजकों के सहयोग से इस कार्यक्रम का प्रसारण करेगी। दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन की विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष का समापन बास्केटबॉल के दिग्गज हरीश शर्मा को श्रद्धांजलि देने के साथ करना वास्तव में एक शानदार अवसर है, जो एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने अनुकरणीय नेतृत्व के माध्यम से भारत और विदेशों में बास्केटबॉल को बढ़ावा देने के लिए अपनी अभिनव और अनूठी रणनीतियों के साथ खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। दर्शकों को प्रेरित करने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेंगे। बास्केटबॉल 3म3 की विश्व संस्था फीबा ??ने इस चैंपियनशिप का समर्थन किया है और आयोजकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी करेगी।

एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 : भारत ने जीते 33 पदक

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने दोहा में 2024 एशियाई युवा (लड़के और लड़कियों) भारोत्तोलन चैंपियनशिप का समापन +87 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर शानदार तरीके से किया। मैबाम मार्टिना देवी ने +87 किलोग्राम भार वर्ग में समापन दिवस पर एक कांस्य और दो रजत पदक जीते। 40 किलोग्राम भार वर्ग में 135 किलोग्राम भार उठाकर नया एशियाई युवा रिकॉर्ड बनाने वाली ज्योशना सबर को 1000 रॉबी अंकों के साथ युवा लड़कियों के वर्ग में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक चुना गया। इस आयोजन के दौरान जूनियर महिला और युवा लड़कियों की भारतीय टीम ने तीसरे स्थान की टीम ट्रॉफी जीती। इस आयोजन के दौरान कुल मिलाकर भारतीय युवा और जूनियर टीम ने सात स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक के साथ 33 मूल्यवान पदक जीते।

क्रिकेट को दुनिया भर में अधिक लोगों तक पहुंचाना ही प्राथमिकता : जय शाह

नई दिल्ली। टी20 पुरुष विश्व कप के गूगल ट्रेंड्स 2024 में शीर्ष पर पहुंचने पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा है कि क्रिकेट के खेल को दुनिया भर में अधिक लोगों तक पहुंचाना आईसीसी सदस्यों के लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि क्रिकेट के खेल को दुनिया भर में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना आईसीसी सदस्यों और मेरे लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है। इसलिए इस साल टी20 विश्वकप में विश्व स्तर पर कितनी रुचि थी, इसका प्रमाण देखना उत्साहजनक है। अपने पोस्ट के साथ शाह ने फाइनल खेलने वाली दो टीमों की एक तस्वीर और त्रश्श्रद्द्यद्द्र के शीर्ष रुझानों का एक स्क्रीनशॉट संलग्न किया है।उन्होंने कहा कि विराट कोहली टी20 पुरुष विश्व कप फाइनल में 76 रन की बहुमूल्य पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। पूरे टूर्नामेंट में 4.17 की शानदार इकोनॉमी रेट से 15 विकेट हासिल करने वाले बुमराह को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का सम्मान मिला।

खो खो विश्व कप 2025 से सह-ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़े टाइगर श्रॉफ

नई दिल्ली। खो खो विश्वकप 2025 की स्टार पावर में लगातार इजाफा हो रहा है। बॉलीवुड सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ भी सह-ब्रांड एंबेसडर के तौर पर खो खो विश्वकप प्रतियोगिता से जुड़ गए हैं। ऐसे में खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई)) अभिनेता टाइगर श्रॉफ का स्वागत किया और इस खेल के प्रति लोगों के झुकाव को लेकर इसके बेहतर भविष्य के प्रति आश्वस्तता जताई। भारतीय खो-खो महासंघ ने कहा कि यह घोषणा करते हुए वो रोमांचित है कि बॉलीवुड के युवा सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ उद्घाटन खो-खो विश्व कप के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सलमान खान के साथ शामिल हो गए हैं। यह आयोजन 13 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली में होने वाला है। यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट वैश्विक दर्शकों के लिए भारत के पोषित खेल का सार प्रदर्शित करेगा। फिटनेस के कट्टर समर्थक टाइगर ने स्वस्थ जीवन शैली विकसित करने में खेल की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ÷किसी के भी जीवन में फिटनेस अंतिम लक्ष्य होना चाहिए और खेल इसे हासिल करने का सबसे बड़ा साधन है। खो-खो फिटनेस, रणनीति और भावना का एक आदर्श मिश्रण है और मुझे उम्मीद है कि मैं लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित करूंगा।खो-खो को लेकर टाइगर ने कहा कि यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि ऐसी भावना है जो भारत की मिट्टी से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति में अपनी जड़ों से लेकर वैश्विक सनसनी बनने तक, यह खेल ताकत, चपलता और गति का उदाहरण देता है।

जयपुर को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे यूपी योद्धाज, हरियाणा से भिड़ेंगे

एजेंसी

पुणे। यूपी योद्धाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एलिमिनेटर-1 मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स को 46-18 के अंतर से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पहले सेमीफाइनल में उसका सामना हरियाणा स्टीलर्स से होगा जबकि दो बार के चैंपियन जयपुर को घर वापसी करनी होगी।लगातार 10 मैचों से अजेय यूपी जीत में भवानी राजपूत (12), गगन गौड़ा (5), हितेश (6), महेंद्र (4) और सुमित (5) का योगदान रहा जबकि जयपुर के लिए रेजा मीरबघेरी (5) ही सबसे चमकदार सितारे रहे। यूपी ने रेड में 12 के मुकाबले 18 और डिफेंस में 5 के मुकाबले 18 अंक ले वर्चस्व कायम किया। शानदार रेडिंग कर रहे भवानी और डिफेंस में मुस्तैद आशू, भरत और हितेश के दम पर यूपी योद्धाज ने सात मिनट में ही जयपुर को आलआउट कर 9-3 की लीड ले ली। शुरुआती 10 मिनट में यूपी के डिफेंस ने अर्जुन को नहीं चलने दिया। वह 4.30 मिनट बाहर रहे और तीन में से दो रेड में

लपके गए। दूसरी ओर, भवानी ने 6 रेड से पांच अंक उठा लिए।

ब्रेक के बाद जयपुर ने रेड खाता खोल स्कोर 5-13 कर दिया। इसी बीच धरनीधरन ने लगातार दूसरा अंक ले लिया लेकिन गगन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला बढ़ा दिया। आज अंकुश भी नहीं चल रहे थे। भवानी ने अगली रेड पर उनका भी शिकार कर स्कोर 17-6 कर दिया। फिर यूपी के डिफेंस ने तीसरी बार अर्जुन का शिकार कर मुश्किल बढ़ा दी। इसके बाद सुपर टैकल सिचुएशन में भवानी ने एक और शिकार किया और फिर यूपी ने दूसरा आलआउट लेते हुए 22-7 की लीड ले ली और फिर 23-8 के स्कोर पर पाला बदला। हाफटाइम के बाद जयपुर ने चार बदलाव किए। इस बीच सुरजीत ने गगन को डैश कर डिफेंस में जयपुर का खाता खोला। इसके बाद भवानी ने मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 26-9 कर दिया।

जल्द ही जयपुर के लिए सुपर टैकल आन हो गया था। डू ओर डाई रेड पर भवानी आए और यूपी को आलआउट की कगार पर ला दिया और फिर इसे अंजाम दे 32-10 की लीड ले ली। इसी बीच भवानी ने सुपर-10 पूरा किया। आलइन के कुछ मिनट अंदर ही यूपी ने फिर से जयपुर के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। 10 मिनट बचे थे और यूपी 37-11 से आगे थे।ब्रेक के बाद रेजा ने भवानी को सुपर टैकल कर जयपुर को दो अंक दिलाए। इस बीच रेजा के खिलाफ फाउल पर आशू को दो मिनट के लिए बाहर किया गया। और फिर यूपी ने चौथा आलआउट ले 42-13 की लीड ले ली। अंतिम मिनट में जयपुर ने यूपी को सुपर टैकल सिचुएशन में डाला लेकिन यूपी ने इसके भी दो अंक उठाकर तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बना ली।

हरियाणा ने झारखंड को 64 रनों से हराया

एजेंसी

जयपुर। दिनेश बाना (नाबाद 72), अंकित कुमार (67) और सुमित कुमार (नाबाद 56) की अर्धशतकीय पारियों के बाद अंशुल काम्?बोज (चार विकेट) की बदौलत हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुए ए मुकाबले में झारखंड को 64 रनों हराया।

हरियाणा के 295 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी झारखंड़ की पूरी टीम 46.4 ओवर में 231 रन पर सिमट गई। झारखंड के लिए अतुल सिंह ने (49), अनुकूल रॉय (32), कप्तान इशान किशन ने (36), विराट सिंह ने (34), उत्कर्ष सिंह (27), कुमार देवब्रत (16) और बाल कृष्णन (19) रन बनाकर आउट हुये। चार बल्लेबाज दहाई अंक से नीचे आउट हुये। हरियाणा के लिए अंशुल काम्बोज ने चार विकेट लिये। निशांत सिंधु को दो विकेट मिले। अमित राणा, सुमित कुमार और अमन कुमार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। झारखंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा के लिए दिनेश बाना ने 57 गेंदों में (नाबाद 72) और अंकित कुमार ने 94 गेंदों में (67) रन की पारी खेली। इसके अलावा सुमित

कुमार ने 39 गेंदों में (नाबाद 56) रन बनाये।हिमांशु राणा (38) और पार्थ वत्स (27) रन बनाकर आउट हुए। हरियाणा ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 295 रनों का स्कोर खड़ा किया।झारखंड की ओर से उत्कर्ष सिंह ने तीन विकेट लिये। विकास सिंह, अनुकूल रॉय और बाल कृष्णना ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पहले सत्र में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तानी पारी लड़खडाई

एजेंसी

सेंचुरियन। डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक पाकिस्तान के 88 रन पर चार विकेट झटक लिये है। भोजनकाल तक पाकिस्तान ने चार विकेट पर 88 रन बना लिये है तथा कामरान गुलाम (23) और मोहम्मद रिजवान (10) रन बनाकर खेल रहे है।आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 15वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने कप्तान शान मसूद (17) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में डेन पैटरसन ने सैम अयूब (14) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।इसके बाद 18वें ओवर में पैटरसन ने बाबर आजम (चार) को अपना शिकार बनाकर दक्षिण अफ्रीका को तीसरी सफलता

दिलाई। सऊद शकील (14) को कॉर्बिन बॉश ने आउट किया। पहले सत्र का खेल समाप्त होने के समय पाकिस्तान ने 24 ओवरों में चार विकेट पर 88 रन बना लिये है और कामरान गुलाम (नाबाद 23) और मोहम्मद रिजवान (10) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। दोनों बल्लेबाजों के बीच अब तक 33 गेंदों में 32 रनों की साझेदारी हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश ने दो-दो विकेट लिये।

टिम साउदी करेंगे आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण में शारजाह वारियर्स की कप्तानी

एजेंसी

शारजाह। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों में से एक टिम साउदी डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण के लिए शारजाह वारियर्स टीम की कप्तानी करेंगे। शारजाह वारियर्स का मानना है कि साउदी का अनुभव और खेल का ज्ञान आईएलटी-20 के आगामी सीजन के लिए टीम को मजबूती देगा। आईएलटी-20 तीसरे सत्र की शुरुआत 11 जनवरी को होगी और शारजाह वारियर्स अपना पहला मैच 12 जनवरी को गुजरात जायंट्स के खिलाफ खेलेगा। इस अवसर पर टिम साउदी ने कहा, शारजाह वारियर्स के पास एक शानदार टीम है, जिसमें कई बेहतरीन बल्लेबाज और योग्य और कुशल गेंदबाज हैं। इतने प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की कप्तानी करना और उनके साथ रहना वाकई रोमांचक होगा। टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत भी अब तक काफी सफल रही है और हमें पूरा भरोसा है कि यह सत्र अच्छा रहेगा। मैं टीम में शामिल होने और उसका नेतृत्व करने

के लिए वाकई उत्साहित हूं। शारजाह वॉरियर्स के मुख्य कार्यकारी क्षेमल वैनगंकर ने कहा, हम, कैप्री स्पोर्ट्स में टिम साउदी को शारजाह वॉरियर्स टीम में कप्तान के रूप में शामिल करने पर बहुत उत्साहित हैं। क्रिकेट के खेल के प्रति उनकी कार्य नीति और समर्पण बेमिसाल है और लड़ते रहने की उनकी दृढ़ता, योद्धा भावना के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साउथी न केवल आईएलटी-20 के आगामी संस्करण के लिए हमारी टीम को मजबूत करते हैं, बल्कि इसमें गहराई और अनुभव भी जोड़ते हैं। हमें विश्वास है कि नेतृत्व की उनकी गतिशील शैली हमारे लिए एक नए युग की शुरुआत करेगी।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 474 रन पर समाप्त, स्टीव स्मिथ ने लगाया शतक, बुमराह ने झटके 4 विकेट

एजेंसी

मेलबर्न। स्टीव स्मिथ के शतक और उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, सैम कोंस्टास के अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरु की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और

उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए। 154 के कुल स्कोर पर बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। ख्वाजा ने 57 रनों शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। लाबुशेन और स्मिथ ने एक बार फिर से पारी संभाली और तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को वाशिंगटन सुंदर ने तोड़ा। सुंदर ने 237 के कुल स्कोर पर लाबुशेन को पवेलियन भेज भारत को तीसरी सफलता दिलाई। लाबुशेन के आउट होने के बाद बुमराह ने ट्रैविस हेड (00) को बोल्ड कर भारत को बड़ी राहत दिलाई। इसके बुमराह ने 246 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श (04) को भी अपना शिकार बनाया।

यहां से एलेक्स कैरी और स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। इस दौरान स्मिथ ने 71 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आकाशदीप ने 299 के कुल स्कोर पर कैरी (31) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी।

डीएसए प्रीमियर लीग में दिल्ली एफसी, तरुण संघा की बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्लेयर ऑफ द मैच ओलेन सिँह नींगठोजाम के दो शानदार गोलों की मदद से तरुण संघा ने यूनाइटेड भारत को 4 -1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग के दूसरे चरण में बड़ी जीत के साथ शुरुआत की। दिन के दूसरे मैच में जैकब के दो बेहतरीन गोलों से दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड को 5-0 से परास्त किया।

तरुण संघा के लिए नरेश मेटी और रिलेक्स सिंह ने भी एक-एक गोल किये। वहीं यूनाइटेड भारत का गोल जावेद अख्तर ने किया।

दिल्ली एफसी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' जैकब ने दो गोल किये। आरिस खान, अबेलसन जाची और थॉन्गखोग मायूम ने एक एक गोल जमाए। विजेता टीम ने 12 मैचों में 25 अंक बना लिए हैं जबकि नेशनल यूनाइटेड 12 अंक जुटा पाई है। तरुण संघा ने दूसरे लेग की शुरुआत जीत के साथ की और 14 अंक बनाए हैं। पराजित यूनाइटेड भारत के मात्र छह अंक हैं और अंक तालिका में सबसे पीछे है।

विराट कोहली और सैम कॉन्स्टास के बीच मैच के दौरान हुई बहस

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन भारत विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण कर रहे सैम कॉन्स्टास के बीच टक्कर के बाद बहस हुई।आज यहां खेले जा रहे मैच में घटनाक्रम 10वें ओवर के दौरान उस समय हुआ जब कोहली और कॉन्स्टास ओवर की समाप्ति के बाद पिच पर आपस में टकरा गए। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ी आपस में बहस करते हुए देखे गये। उस्मान ख्वाजा ने बीच बचाव किया।

सत्र में बाद में रिप्ले सामने आने पर यह दिखा कि कॉन्स्टास दूसरे छोर की ओर जा रहे थे लेकिन पिच के बाहर से गेंद को हाथ में टॉस करते हुए आ रहे कोहली कॉन्स्टास से टकरा गए।मैच के बाद कॉन्स्टास ने एक स्थानीय चैनल से कहा, मैं समझ नहीं पाया। मैं दस्ताने ठीक कर रहा था और तब कंधे टकरा गए। लेकिन यह क्रिकेट में होता रहता है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कॉमेंट्री के दौरान कहा, जरा देखिए विराट कैसे चल रहे हैं। विराट पिच की दाई ओर गए और इस टकराव की शुरुआत उन्हीं की ओर से हुई।स्थानीय चैनल से साइमन टॉफेल ने इस घटना को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत अनुचित बताया।

भोजनकाल तक जिम्बाब्वे के दो विकेट पर 92 रन

एजेंसी

बुलावायो। बेन कर्रन (68) रनों की अर्धशतकी पारी के दम पर जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन भोजनकाल तक अफगानिस्तान के खिलाफ दो विकेट पर 92 रन बना लिये है। भोजनकाल के समय टी काइटानो (नाबाद 13) और सीन विलियम्स (नाबाद 10) रन बनाकर खेल रहे है। यहां इससे पहले जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की जॉयलॉर्ड गंबी और बेन कर्रन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 43 रन जोड़े। नौवें ओवर में नवीद जदरान ने जॉयलॉर्ड गंबी (नौ) को आउट कर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये टी काइटानो ने बेन कर्रन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में ए एम गजनफर ने अर्धशतक बना चुके बेन कर्रन को बोल्ड कर जिम्बाब्वे

को बड़ा झटका दिया। कर्रन ने 74 गेंदों में 11 चौके लगाते हुये (68) रनों की पारी खेली। जिम्बाब्वे ने भोजनकाल तक दो विकेट पर 92 रन बना लिये है और टी काइटानो (नाबाद 13) और सीन विलियम्स (नाबाद 10) क्रीज पर मौजूद है। अफगानिस्तान की ओर से ए एम गजनफर और नवीद जदरान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गुजरात ने असम को आठ विकेट से हराया

जयपुर । चिंतन गजा (पांच विकेट) और प्रियजीत सिंह जाडेजा (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद उर्विल पटेल (37) और आर्य देसाई (28) रन की बल्लेबाजी के दम पर गुजरात ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में असम को 241 गेंदों के शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

असम के 75 रनों के जवाब में गुजरात ने 9.5 ओवर में दो विकेट पर 78 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। गुजरात के लिए उर्विल पटेल ने (37) और आर्य देसाई (28) रनों की पारी खेली। उमंग कुमार (आठ) और सौरव चौहान (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। असम की ओर से अब्दुल अजीज कुरैशी और आकाश सेनगुप्ता ने एक-एक विकेट लिया।

गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी असम की टीम चिंतन गजा और प्रियजीत सिंह

जाडेजा की घातक गेंदबाजी का सामना नहीं कर सकी और पूरी टीम 19.1 ओवर में 75 के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। असम के लिए स्वरूपम पुरकायस्था ने(15) रन बनाये। वहीं मुख्तार हुसैन (19) रन बनाकर नाबाद रहे। असम के नौ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। गुजरात की ओर से चिंतन गजा ने पांच विकेट और प्रियजीत सिंह जाडेजा ने चार विकेट लिये। अरजान नागवासवाला ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

यू मुंबा को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे पटना पाइरेट्स, दबंग दिल्ली से भिड़ेंगे

एजेंसी

पुणे। प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की चौथी सेमीफाइनलिस्ट टीम के नाम का खुसाला हो गया है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एलिमिनेटर-2 मुकाबले में यू मुंबा को 31-23 से हराकर तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स चौथी सेमीफाइनलिस्ट बनी। मुंबा को घर लौटना होगा और पटना को अब सेमीफाइनल में दबंग दिल्ली केसी का सामना करना होगा। चौथे खिताब के लिए प्रयासरत पटना की जीत में अयान (10), देवांक (8) और गुरदीप (5) का योगदान रहा जबकि मुंबा के लिए जफरदानेश (7) और अजीत (5) ही कुछ हद तक चमक दिखा सके। पटना की टीम ने 17वीं बार प्लेआफ खेलते हुए 12वीं जीत हासिल की है। पटना ने डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7 के मुकाबले 11 अंक लेकर अंतर पैदा किया।वैसे मुंबा के डिफेंस ने अच्छी शुरुआत की और पहली रेड पर देवांक को लपक लिया। लेकिन अयान ने परवेश को बाहर कर उन्हें रिवाइव करा लिया। अजीत ने गुरदीप को बाहर किया तो देवांक ने सुनील के रूप में बड़ा शिकार कर लिया। इसके बाद पटना ने लगातार

दो अंक के साथ स्कोर 4-2 कर दिया। फिर अयान ने चार के डिफेंस में लोकेश को आउट कर मुंबा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

मुंबा आलआउट की कगार पर थे लेकिन जफर ने मल्टीप्वाइंटर के साथ एक रिवाइव ले लिया लेकिन जल्द ही पहला आलआउट ले पटना ने 11-5 की लीड ले ली। आलइन के बाद मुंबा के डिफेंस ने पलटवार कर देवांक को लपक लिया। 10 मिनट बाद पटना 11-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने रोहित, जफर और अजीत को बाहर कर लीड दोगुनी कर दी।

देवांक ने इस मैच में तीसरी बार सुनील को बाहर कर स्कोर 15-7 कर दिया। रोहित के डू ओर डाई रेड पर आउट होने के बाद मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था और लोकेश ने देवांक को लपक दो अंक ले स्कोर 9-16 कर दिया। इसके बाद अजीत ने एक अंक लिया। बहरहाल, पटना ने 17-11 के स्कोर पर पाला बदला।

अजीत ने आलइन के बाद भी एक अंक लेकर फासला 5 का कर दिया। अजीत ने इसके बाद चार के डिफेंस में हामिद को बाहर कर पटना के लिए सुपर टैकल आन कर दिया लेकिन अयान ने परवेश का शिकार कर इस स्थिति को टाल दिया।

हालांकि पटना फिर सुपर टैकल सिचुएशन में आ गए लेकिन अयान ने उसे फिर उबार लिया। इस बीच मुंबा के डिफेंस ने देवांक का शिकार किया तो अजीत को लपक अयान ने सुपर टैकल के दो अंक ले लिए। 30 मिनट के बाद पटना 22-17 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने लीड सात की कर ली। हालांकि डू ओर डाई रेड पर मुंबा ने अयान को लपक लिया लेकिन अजीत का शिकार कर पटना ने इसका जवाब दिया। फिर रोहित लपक लिए गए। लीड 9 की हो चुकी थी और अब सिर्फ 4 मिनट बचे थे। फिर देवांक ने एक अंक के साथ मुंबा को आलआउट की ओर धकेला लेकिन धनसेकर ने उसे उबार लिया। अगली रेड पर भी धनसेकर ने अंक लिया। इसके बाद मुंबा ने वापसी की तमाम कोशिशें कीं लेकिन उसका प्रयास नाकाम रहा और वह घर लौटने को मजबूर हुई।

दिल्ली में कांग्रेस की भाजपा से सांठगांठः आप

दिल्ली में कांग्रेस की भाजपा से सांठगांठ, भाजपा को जीताने के लिए काम कर रही कांग्रेस-आप

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने भाजपा का दिल्ली में सहयोग करने पर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली चुनाव में कांग्रेस भाजपा के साथ खड़ी है और वह उसकी मदद कर रही है। कांग्रेस नेता अजय माकन, भाजपा की भेजी स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और भाजपा के कहने पर आम आदमी पार्टी के नेताओं को टारगेट करते हैं। बुधवार को अजय माकन ने दिल्ली की जनता के लिए बिजली-पानी, स्वास्थ्य-शिक्षा का इंतजाम करने वाले और "आप" के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को देशद्रोही कहा। जबकि आम आदमी पार्टी हमेशा संसद से लेकर सड़क तक कांग्रेस के साथ खड़ी रही है। अरविंद केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार किया। हम कभी कांग्रेस नेताओं को अपशब्द नहीं बोले। लेकिन कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी है। कांग्रेस आलाकमान 24 घंटे में अजय माकन पर एक्शन ले।अन्यथा हम कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से अलग करने की सहयोगी दलों से मांग करेंगे।

पार्टी मुख्यालय पर दिल्ली की सीएम आतिशी के साथ प्रेस वार्ता कर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के अंदर कांग्रेस पार्टी भाजपा के पक्ष में खड़ी हुई है और हर वह काम कर रही है जिससे भाजपा को चुनाव में फायदा हो। दिल्ली में कांग्रेस के नेता अजय माकन भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ते हैं। भाजपा के कहने पर बयान देते हैं। भाजपा के कहने पर आम आदमी पार्टी के नेताओं को टारगेट करते हैं। बुधवार को उन्होंने सारी हदें पार करते हुए देश और दिल्ली के सबसे लोकप्रिय नेता आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को ह्यएंटी नेशनलह्न कहा। अगर केजरीवाल एंटी नेशनल हैं, तो वह दिल्ली के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और रोजगार का इंतजाम कैसे कर रहे हैं? आज तक अजय माकन या कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली में भाजपा के किसी नेता को एंटी नेशनल नहीं कहा। ये लोग हमें राष्ट्र विरोधी और अरविंद केजरीवाल को राष्ट्रद्रोही कह रहे हैं। यह किस प्रकार का बयान है? संजय सिंह ने आगे कहा कि यह लोग अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल वह शख्स हैं जिन्होंने दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया। अरविंद केजरीवाल वह व्यक्ति हैं जिन्होंने चुनाव में चंडीगढ़ तक जाकर कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार किया। आम आदमी पार्टी लगातार संसद के मुद्दों पर कांग्रेस का साथ दिया है। कांग्रेस ने आज तक भाजपा के एक नेता के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज नहीं करवाई। अब कांग्रेस के लोग केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज करवा रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि जब हरियाणा का चुनाव हुआ, अंत तक हमारा प्रयास रहा कि हम मिलकर चुनाव लड़ें। लेकिन कांग्रेस पार्टी इसके लिए तैयार नहीं हुई। हम अकेले चुनाव लड़े। लेकिन हमने किसी के खिलाफ कोई अपशब्द या गलत बयानी नहीं की। अरविंद केजरीवाल भी चुनाव प्रचार के लिए गए। मनीष सिसोदिया, आतिशी से लेकर हमारी पार्टी के सारे बड़े नेता प्रचार के लिए गए। लेकिन किसी एक ने भी कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला।

सीएम आतिशी ने कहा कि कांग्रेस के नेता दिल्लीवालों को बताए कि संदीप दीक्षित और फरहाद सूरी का चुनाव लड़ने का पैसा कहाँ से आ रहा है? अगर कांग्रेस अपने इन नेताओं के खिलाफ एक्शन नहीं लेती है तो आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों से बात करेंगी कि कांग्रेस के साथ अलायंस में नहीं रहा जा सकता, क्योंकि ये साफ हो गया है कि कांग्रेस दिल्ली में भाजपा को चुनाव लड़वाने और जितवाने का प्रयास कर रही है।

क्राइम ब्रांच ने गुम हुए 15 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के मोबाइल फोन धारकों को लौटाया

क्राइम ब्रांच पुलिस ने साल 2023 से शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुम व खोए हुए 15 लाख चार हजार रुपये की कीमत के 94 मोबाइल सम्बंधित प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार मोबाइल धारकों को बुलाकर वापस किये हैं। मोबाइल पाते ही धारकों के चेहरे खिल उठे। पुलिस उपायुक्त अपराध आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि क्राइम ब्रांच में गुम और चोरी हुए मोबाइलों की शिकायत ऑफलाइन से लेकर ऑनलाइन तरीके से दर्ज की जाती है। इसके बाद उन मोबाइलों का आईएमआई नंबर (इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आईडेंटिटी) के साथ-साथ और भी डाटा को एकत्रित कर मोबाइल की खोज की जाती है। सारे दस्तावेज सही पाए जाने पर सर्विलांस की सहायता से मोबाइल की सही लोकेशन पर पहुंचा जाता है। आगे उन्होंने बताया कि इसी तरह साल 2023 से लेकर अभी तक शहर के तमाम थाना क्षेत्रों से मोबाइल चोरी होने या गुम होने की कई शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए आज रेलबाजार स्थित क्राइम ब्रांच दफ्तर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ सभी 94 मोबाइल धारकों को बुलाकर मोबाइल उनके सुपुर्द कर दिये गये। बाजार में इन मोबाइलों की कीमत 15 लाख रुपए से भी ज्यादा है। आखिर में उन्होंने कहा कि, मोबाइल खोने या चोरी होने की स्थिति में सबसे पहले टेलीकॉम कंपनी को फोन कर अपना नंबर बंद करवा दें। साथ ही ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीके से आवश्यक दस्तावेजों के साथ आकर इसकी सूचना पुलिस को दें।

अरविंद केजरीवाल के आवास पर बीजेपी महिला मोर्चा का जबरदस्त प्रदर्शन

नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को दिल्ली बीजेपी महिला मोर्चा ने फिरोजशाह रोड स्थित अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं को दिल्ली पुलिस ने मौके से डिटेन कर लिया है। दिल्ली बीजेपी महिला प्रदेश अध्यक्ष ऋचा मिश्रा पांडे, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा योगिता सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने हाथों में पोस्टर बनाने लेकर अरविंद केजरीवाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। योगिता सिंह ने कहा कि आज हम लोग यहां पर अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर शांतिपुर तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं और उनसे जवाब मांगने आए हैं कि क्या आप पैसे देंगे क्योंकि उन्होंने पंजाब में भी वादा किया आज तक दिया नहीं। फर्जी तरीके से वह लोगों का रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं और इसके माध्यम से उनका पर्सनल डाटा भी कलेक्ट करने की कोशिश विधानसभा चुनाव से पहले कर रहे हैं आज हम लोग उनसे जवाब मांगने आए हैं। 1000 का पहले भी वादा किया थे लेकिन आज तक आया नहीं। चुनाव से पहले फिर से 2100 का वादा किया गया जो कि बिल्कुल फर्जी है आने वाले दिनों में हम लोग इसकी शिकायत पुलिस में भी करेंगे कि फर्जी तरीके से महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की जा रही है। दिल्ली बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रिचा मिश्रा पांडे ने कहा कि फर्जी तरीके से पूरी दिल्ली में वोट कलेक्ट करने के लिए अरविंद केजरीवाल द्वारा एक फर्जी योजना चलाई गई है जिसमें कहा गया है कि 2100 रुपया महिलाओं को देंगे।

यह वही अरविंद केजरीवाल है जिन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब में एक हजार रुपये देने का वादा किया था लेकिन आज तक मिला नहीं इसलिए आज हम लोग अरविंद केजरीवाल से यह सवाल पूछने आ रहे हैं

उन्होंने झूठ बोला है फर्जी तरीके से महिलाओं का वोट लेने की कोशिश कर रहे हैं हम लोग लीगल एक्शन भी इस पर लेंगे।

मजबूत लोकतंत्र के लिए सामाजिक न्याय की अवधारणा बेहद जरूरी: डीपी यादव

नई दिल्ली

पूर्व मंत्री डीपी यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय की अवधारणा देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी से लेकर डॉ. राममनोहर लोहिया तक सभी महान नेताओं ने सामाजिक न्याय और समरसता को प्राथमिकता दी थी। वर्तमान समय में समाज में सामाजिक न्याय की कमी के कारण विभिन्न प्रकार की असमानताएं और भिन्नताएं देखने को मिल रही हैं। ऐसे में लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए सामाजिक न्याय को महत्व देना अनिवार्य है। यह बातें डीपी

यादव ने नई दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में कही। इस मौके पर सामाजिक न्याय फोरम के वरिष्ठ वकील और पदाधिकारी उनसे मिलने पहुंचे थे। फोरम ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है और इस कार्यक्रम में डीपी यादव को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है।

फोरम के सदस्यों ने बताया कि वे आगामी चुनाव में समाज को सही दिशा और दशा देने के उद्देश्य से अपने प्रत्याशी उतारने की योजना बना रहे हैं। इस कार्यक्रम में डीपी यादव का समर्थन और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहेगा।

17 महीनों से दिल्ली वक्फ बोर्ड ने नहीं दी सैलरी, केजरीवाल के घर पहुंचे मस्जिदों के इमाम

नई दिल्ली

दिल्ली की मस्जिदों के इमामों और मुअज्जिनों की बकाया सैलरी का मुद्दा फिर से सुर्खियों में आ गया है। गुरुवार सुबह, वक्फ बोर्ड के इमाम और मुअज्जिनों का एक समूह पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के निवास पर पहुंचा। लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इमामों का कहना है कि वे केजरीवाल से मुलाकात के लिए आए थे, लेकिन उन्हें समय नहीं दिया गया।

मौलाना साजिद रशीदी, जो ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं, के नेतृत्व में इमामों का यह समूह केजरीवाल के आवास पर पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया

कि पिछले 17 महीनों से 240 इमाम और मुअज्जिनों की सैलरी रुकी हुई हूँ। अफसोस की बात है कि 18000 से 16000 इतनी कम रकम दी जाती थी फिर भी वक्त पर नहीं मिलती है। इस समूह ने सीएम आतिशी और एलजी वीके सक्सेना से भी मुलाकात की थी, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन मिला है और अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है।

रशीदी ने कहा, "हम राजनीति करने नहीं आए हैं, बल्कि अपना हक मांगने आए हैं।" इसके अलावा, केजरीवाल की टीम ने उन्हें शनिवार शाम 5 बजे मिलने का समय दिया है, जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि इस मुद्दे पर कुछ सकारात्मक समाधान निकल सकता है।

इमामों ने बताया कि वे कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। दिल्ली में मस्जिदों के इमामों और मुअज्जिनों ने पहले भी अपनी समस्याएं सरकार के सामने रखी हैं। सरकार ने कुछ इमामों के लिए 5-5 महीनों की तीन किश्तों में वेतन जारी किया था, लेकिन अभी भी कई इमाम ऐसे हैं जिन्हें सैलरी नहीं मिली है। इसका सीधा असर उनकी आजीविका पर पड़ा है।

इस पूरे मामले ने दिल्ली में धार्मिक समुदायों के बीच चिंता बढ़ा दी है। इमामों का यह समूह न केवल वेतन की मांग कर रहा है, बल्कि उनकी स्थिति और समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता की भी अपील कर रहा है।

कट्टर ड्रग तस्कर और पीओ गिरफ्तार

नई दिल्ली।

कई उपनामों वाला सक्रिय अपराधी और नशीली दवाओं की तस्करी का इतिहास 06 आपराधिक मामलों में शामिल पाया गया, जिसमें दो मामले भी शामिल हैं जहां उसे अपराधी (पीओ) घोषित किया गया था।

एक सक्रिय ड्रग तस्कर, पंकज उर्फ ??सुशील उर्फ ??नितिन पुत्र जयकिशन उर्फ ??जयकरण निवासी हरदेव नगर, झारोदा, बुराड़ी, दिल्ली, उम्र-40 वर्ष की गिरफ्तारी के साथ, उत्तर-पश्चिम जिले के नारकोटिक्स दस्ते ने एक और उपलब्धि हासिल की।

पुलिस के अनुसार13.12.2024 को नारकोटिक्स स्क्वाड ने एक आरोपी मोइनुद्दीन के कब्जे से 271 ग्राम हेरोइन बरामद की और पीएस जहांगीरपुरी, दिल्ली में एफआईआर संख्या 861/24 यू/एस 21 एनडीपीएस अधिनियम

के तहत एक वाणिज्यिक मामला दर्ज किया। जांच के दौरान, आरोपी मोइनुद्दीन से लगातार पूछताछ की गई, और उसके मोबाइल फोन का विश्लेषण किया गया, जिससे बरामद मादक पदार्थ का पता एक अन्य आरोपी पंकज उर्फ सुशील उर्फ नितिन तक चला। इंस्पेक्टर की देखरेख में एसआई राजेंद्र, एएसआई दिनेश, एएसआई चंद्रपाल, एचसी सुनील, एचसी प्रवीण, एचसी श्रीभगवान, डब्ल्यू/एचसी मंजू, डब्ल्यू/एचसी छोटू, डब्ल्यू/सीटी कोमल और सीटी अमरदीप की एक समर्पित टीम। आरोपी की पहचान करने और पकड़ने के लिए दिनेश दहिया और एसीपी/ऑपरेशंस के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। मैनुअल और तकनीकी दोनों तरह की खुफिया जानकारी का उपयोग करते हुए, ऑपरेशन की रणनीतिक योजना बनाई गई और उसे क्रियान्वित किया गया।

काफी प्रयासों के बाद टीम ने आरोपी पंकज उर्फ सुशील उर्फ नितिन को हरदेव नगर, बुराड़ी, दिल्ली स्थित उसके ठिकाने से सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

नाम बदल कर देता है चकमा: आरोपी एक आदतन और कट्टर अपराधी है, जो खरीदारों और प्राप्तकताओं के साथ बातचीत करने के लिए कई उपनामों का इस्तेमाल करता था, जिससे उसकी वास्तविक पहचान का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। पूछताछ के दौरान, उसने शुरू में गलत नाम (सुशील उर्फ पंकज उर्फ नितिन) और अपने पिता का नाम जयकिशन उर्फ जयकरण बताया। हालाँकि, निरंतर पूछताछ के बाद, उसकी वास्तविक पहचान पंकज के रूप में सामने आई और उसे दो मामलों में घोषित अपराधी (पीओ) पाया गया।

फिटनेस इंफ्लुलेंसर रोहित दलाल, अक्षय दिलावरी और तिलक राज 'आप' में शामिल

नई दिल्ली

खेल और फिटनेस से जुड़े इंफ्लुएंसर रोहित दलाल, अक्षय दिलावरी और तिलक राज को अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी

में शामिल करवाया। इस मौके पर दिल्ली विधानसभा स्पीकर राम निवास गोयल भी मौजूद रहे।दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रेसलर और कोई बॉडी बिल्डर हमारे साथ जुड़ रहे हैं। इन्होंने लोगों को स्वस्थ रखने के लिये अलग-अलग स्तर पर ट्रेनिंग दी है और उनके लिये काम किया है। जल्द ही पूरी दिल्ली के जिम ऑनर हमारे साथ जुड़ेंगे। सरकार बनने के बाद इन सभी की परेशानियों का समाधान कराने का काम करेंगे। खेल और फि टनेस के क्षेत्र में सराहनीय काम कर रहे श्री रोहित दलाल और श्री अक्षय दिलावरी जी का आम आदमी पार्टी परिवार में स्वागत है।

वहीं गोयल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हुए हैं।10-15 दिनों से बातचीत चल रही थी। उन्होंने कहा, "रोहित दलाल ने बताया कि पार्टी की ईमानदारी, गरीबों की तरफ ध्यान को देखते हुए वो प्रभावित हुए हैं। दिल्ली के जितने जिम हैं, वहां जुड़े हुए जो लोग हैं, उनमें उनका प्रभाव है. वो पार्टी से जुड़ेंगे, इससे लाभ होगा।"

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुक्वी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

डकैती के मामले का हुआ खुलासा, 4 लुटेरे गिरफ्तार

नई दिल्ली।

पीएस मॉडल टाउन, उत्तर-पश्चिम जिले के कर्मचारियों ने मास्टरमाइंड सहित चार लुटेरों को गिरफ्तार करके सराहनीय कार्य किया है, अर्थात (1) रंजीत कुमार कामत पुत्र सैनी कामत निवासी ग्राम खजेडी, थाना लदानिया, जिला। मधुबनी, बिहार, उम्र-34 वर्ष, (2) रंजीत ठाकुर पुत्र पूरन ठाकुर निवासी ग्राम। बरमोह, पीएस कामदाबरी जिला। बांका, बिहार, उम्र-23 वर्ष, (3) महेंद्र यादव पुत्र बीरू यादव निवासी ग्राम। बलिया मारा, जिला. बांका, बिहार, उम्र-35 वर्ष और (4) गुड्डू कुमार ठाकुर पुत्र राजेंद्र ठाकुर निवासी ग्राम। बर्मन पी.एस. कटोरिया, जिला. बांका, बिहार, उम्र-19 वर्ष। इनकी गिरफ्तारी से लूटी गई रकम आरएस. उनके कब्जे से 3,49,661/- रुपये, शिकायतकर्ता का लूटा हुआ मोबाइल फोन और 50 लाख रुपये के आभूषण और अपराध का हथियार यानी अपराध में इस्तेमाल किया गया एक तेज चाकू बरामद किया गया।

गौरतलब है कि 16.12.24 को रात 9:26 बजे, मॉडल टाउन में एक आवास पर सशस्त्र डकैती की सूचना देते हुए एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। मौके पर ही दो लुटेरों को पब्लिक ने पकड़ लिया। शिकायतकर्ता श्रीमती नीलम नागपाल ने बताया कि उनके घरेलू नौकर (रंजीत कामत) और उसके सहयोगियों ने जबरन प्रवेश किया, उन्हें और उनकी बहू को चाकू की नोक पर रखा और भागने से पहले आभूषण, नकदी और एक आई-फोन लूट लिया। तदनुसार, एफआईआर संख्या 744/24, धारा 309(4)/311/3(5) बीएनएस के तहत पीएस मॉडल टाउन में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान, आरोपी रंजीत कामत के पास से एक धारदार चाकू बरामद किया गया, और सह-अभियुक्त रंजीत ठाकुर के पास से एक लूटा हुआ आई-फोन जब्त किया गया। डीसीपी अभिषेक धानिया के अनुसार अपराध की प्रकृति और गंभीरता का आकलन करते हुए, इंस्पेक्टर की अध्यक्षता में एक टीम बनाई गई। पवन कुमार मीना, एस.एच.ओ./मॉडल टाउन, जिसमें इंस्पेक्टर भी शामिल हैं। - सुधीर कुमार, इंस्पेक्टर आमंत्रण एसआई रवि कुमार, एएसआई सुदेश, एएसआई रविंदर, एचसी धीरेंद्र, एचसी मनीष, सीटी। अंकित, सीटी. गोपेश और डब्ल्यू/सीटी सरस्वती की देखरेख में गठित किया गया था। रोहित गुप्ता, एसीपी/सब डिविजन। मॉडल टाउन, दिल्ली और समग्र पर्यवेक्षण अधोहस्ताक्षरी। जांच के दौरान दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों अर्थात रंजीत कामत और रंजीत ठाकुर से गहन पूछताछ की गई और उसके बाद यह पता चला कि दोनों फरार/वांछित व्यक्ति अर्थात गुड्डू और महेंद्र बिहार के हैं और वे खुद को छिपाने के लिए बिहार के साथ-साथ कोलकाता भी जा सकते हैं। इसके बाद एसआई रवि के नेतृत्व में एक टीम को कोलकाता और एएसआई सुदेश और एएसआई रविंदर के नेतृत्व में एक टीम को बिहार भेजा गया।

अशोक विहार पुलिस ने एक लुटेरे को रंगे हाथ पकड़ा

04 स्नैचिंग और चोरी के मामले सुलझे

नई दिल्ली।

अशोक विहार थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। जिसकी उसकी निशानदेही पर छीने गए और चोरी हुए 04 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूंछताछ में पुलिस को पता चला कि आरोपी व्यक्ति एक आदतन और सक्रिय अपराधी पाया गया, जो पहले सशस्त्र डकैती, डकैती और शस्त्र अधिनियम के 06 मामलों में शामिल था इनकी पहचान मनोज उर्फ मनु पुत्र अमर सिंह, निवासी सीएसए कॉलोनी, डब्ल्यूपीआईए, नई दिल्ली, उम्र-24 वर्ष की गिरफ्तारी के साथ, पीपी डब्ल्यूपीआईए, पीएस अशोक विहार के कर्मचारियों ने स्नैचिंग और चोरी के 04 मामले सुलझाए और बरामदगी की। उसकी निशानदेही/कब्जे से 04 चोरी/छीने हुए मोबाइल फोन। उसने आसानी से पैसा कमाने के लिए अपराध करना शुरू कर दिया ताकि नशीली दवाओं/शराब की लत को पूरा किया जा सके। आरोपी व्यक्ति आदतन और सक्रिय अपराधी पाया गया है।

डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु सक्रियता से कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में गश्त हेतु स्टाफ तैनात किया गया। 24-25.12.24 की मध्यरात्रि को एसआई सचिन, प्रभारी पीपी डब्ल्यूपीआईए जिसमें एएसआई वीरेंद्र, एचसी अश्वनी और एचसी करणपाल शामिल थे, की देखरेख में गश्त ड्यूटी कर रहे थे। गश्त के दौरान, जब वे होंडा शोरूम बी-ब्लॉक डब्ल्यूपीआईए के पास पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि 01 व्यक्ति "चोर-चोर" चिल्ला रहा था और गश्ती दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए निश्चित दूरी पर पीछा करने के बाद 01 व्यक्ति को पकड़ लिया।

नोट फॉर वोट मामले में भाजपा नेता प्रवेश वर्मा और सिरसा के खिलाफ "आप" ने की ईडी से

नई दिल्ली,(वतन केसरी)।

दिल्ली में मतदाताओं को लुभाने के लिए खुलेआम पैसे बांटने के मामले में आम आदमी पार्टी ने भाजपा नेता प्रवेश वर्मा और मनजिंदर सिंह सिरसा के खिलाफ ईडी से शिकायत की है। गुरुवार को "आप" के वरिष्ठ नेता व सांसद संजय सिंह ईडी ऑफिस पहुंचे और इनके खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रवेश वर्मा के घर के अंदर अवैध करोड़ें रुपए पड़े हैं, लेकिन ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग का कोई छापा नहीं पड़ रहा है। इन जांच एजेंसियों और चुनाव आयोग के नाक न नीचे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में खुलेआम वोटर्स में 1100-1100 रुपए बांटे जा रहे हैं। अगर ईडी रेड करती तो करोड़ों रुपए मिलते। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इशारे पर विपक्षी दलों के विधायकों-मंत्रियों को पकड़ने, सरकारों को गिराने और तोड़ने का काम करती है। अगर ईडी कोई कार्रवाई नहीं करती है तो हम सीबीआई, इनकम टैक्स विभाग और चुनाव आयोग से भी इसकी शिकायत करेंगे। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में जहां पर ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट बैठा हुआ है। देश के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री बैठे हुए हैं और यहां पर चुनाव आयोग बैठा हुआ है, उनकी नाक के नीचे खुलेआम अरविंद केजरीवाल के विधानसभा क्षेत्र वोटर्स को रिश्वत के रूप में दिए जा रहे हैं।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी